घटती घटना

सत्य के साथ...जनहित में बात...

www.ghatatighatana.com **अम्बिकापुर,वर्ष 22, अंक - 221- शुक्रवार 12- जून 2026,पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये** RNI Reg.No.- CHHHIN/2004/15050,डाक पंजीयन. क्रं. 13/Surguja DN/ 2026-2028

पीएम मोदी ने नीति आयोग की बैठक की...सभी राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचे कर्नाटक सीएम शिवकुमार,तमिलनाडु सीएम विजय पहली बार इसका हिस्सा बने

'विकसित भारत' के साझा विजन को साकार करने में केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयास निभाएंगे अहम भूमिका : पीएम मोदी

नई दिल्ली,11 जून 2026। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी में नीति आयोग की 11वीं गवर्निंग काउंसिल बैठक की अध्यक्षता की। इस महत्वपूर्ण बैठक में देश के विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री, केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल और प्रशासक, केंद्रीय मंत्री तथा नीति आयोग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बंगाल में भाजपा सरकार का नेतृत्व करने वाले सीएम शुभेंदु अधिकारी भी पहली बार बैठक में शामिल हुए। गैर भाजपा-एनडीए शासित तीन राज्यों के नए मुख्यमंत्री पहली बार बैठक का हिस्सा बने। इनमें कर्नाटक सीएम शिवकुमार,तमिलनाडु सीएम विजय और केरल सीएम वी.डी. सतीशन शामिल हैं। बैठक के बाद प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि सहकारी संघवाद की भावना से केंद्र और राज्य मिलकर भारत की विकास यात्रा को नई गति दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के साझा लक्ष्य को हासिल करने में केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयासों की अहम भूमिका होगी। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'सहकारी संघवाद की भावना से प्रेरित होकर, हम भारत की विकास यात्रा को गति देने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं।

'विकसित भारत' के हमारे साझा विजन को साकार करने में केंद्र और राज्यों के सामूहिक प्रयास अहम भूमिका निभाएंगे। बैठक में इस विजन को धरातल पर उतारने और नागरिकों तक इसके ठोस परिणाम पहुंचाने के लिए विभिन्न रणनीतियों पर चर्चा की गई। साथ ही ऐसे उपायों पर विचार किया गया, जिनसे देश में उद्यमिता को बढ़ावा मिले,कौशल विकास को मजबूती मिले और रोजगार के स्थायी अवसर सृजित किए जा सकें। गवर्निंग काउंसिल की बैठक में समावेशी मानव विकास के लिए चार प्रमुख स्तंभों पर विशेष ध्यान दिया गया। इनमें मजबूत मानव पूंजी और भविष्य के लिए तैयार कौशल, उत्पादक रोजगार और उद्यमिता आधारित विकास, स्वास्थ्य एवं पोषण के साथ बेहतर जीवन स्तर,तथा सभी के लिए समान अवसर और गरिमा सुनिश्चित करना शामिल है। बैठक में इस बात पर भी जोर दिया गया कि विकास की योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचे और राज्यों की विकास दृष्टि को राष्ट्रीय विकास दृष्टिकोण के साथ जोड़ा जाए।

बैठक के दौरान विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए सुशासन, डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई),विभिन्न विभागों के बीच समन्वय,साझेदारी मॉडल और डेटा आधारित निर्णय प्रणाली को महत्वपूर्ण बताया गया। इसके अलावा, अल्पकालिक, मध्यम कालिक और दीर्घकालिक लक्ष्यों की निगरानी के लिए एक व्यवस्थित तंत्र विकसित करने पर भी चर्चा हुई,ताकि योजनाओं की जवाबदेही सुनिश्चित हो और उनके परिणामों का सही आकलन किया जा सके। बैठक में दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के 5 वें राष्ट्रीय सम्मेलन की प्रमुख सिफारिशों पर भी चर्चा की गई। इनमें प्रारंभिक बाल शिक्षा,स्कूली शिक्षा,भविष्य के लिए तैयार कार्यबल के निर्माण हेतु कौशल विकास,उच्च शिक्षा को ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था से जोड़ना तथा खेल और सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों को बढ़ावा देना जैसे विषय शामिल थे। इससे पहले नीति आयोग ने कहा कि इस बैठक का मुख्य उद्देश्य राज्यों और केंद्र सरकार के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना और समावेशी तथा टिकाऊ विकास के लिए साझा रोडमैप तैयार करना है। यदि केंद्र और राज्य मिलकर इन लक्ष्यों पर काम करते हैं, तो 'विकसित भारत 2047' का सपना साकार करने की दिशा में देश को नई गति मिल सकती है।

इस बार नीति आयोग की थीम : समावेशी मानव विकास

इस साल नीति आयोग की बैठक की थीम 'विकसित भारत @2047 के लिए समावेशी मानव विकास' है। इसका मतलब 2047 तक हर उम्र, क्षेत्र, लिंग और सामाजिक-आर्थिक बैकग्राउंड से परे हर भारतीय तक विकास का लाभ पहुंचाना है। भारत 2047 में आजादी के 100 साल पूरे करेगा। केंद्र सरकार का लक्ष्य तब तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाना है। इसके लिए GDP बढ़ाने के साथ मानव पूंजी को मजबूत करना,युवाओं को भविष्य के लिए तैयार करना, रोजगार बढ़ाना,महिलाओं और वंचित वर्गों को अवसर देना क्षेत्रीय असमानताओं को कम करना भी जरूरी है। इसी वजह से नीति आयोग की बैठक में शिक्षा,कौशल विकास,स्वास्थ्य,पोषण, उद्यमिता, रोजगार और सामाजिक समानता जैसे मुद्दों पर विशेष चर्चा हुई,ताकि विकास का लाभ हर भारतीय तक पहुंच सके।

विजय ने नीति आयोग बैठक में नीट का विरोध किया...

विजय ने बैठक में नीट परीक्षा का विरोध किया। उन्होंने कहा कि नीट शुरू होने के बाद ग्रामीण और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों पर असर पड़ा है। विजय ने तमिलनाडु के राज्य कोटा की MBBS, BDS और AYUSH सीटों पर 12वीं के अंकों के आधार पर एडमिशन की मांग की।

बैठक में समान अवसर और डिजिटल गवर्नेंस

नीति आयोग की बैठक में विकसित भारत-2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए समावेशी मानव विकास पर चर्चा हुई। बैठक में मानव विकास, रोजगार, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पोषण, समान अवसर और डिजिटल गवर्नेंस जैसे मुद्दों पर मंथन किया गया। बैठक में राज्यों के विकास विजन को राष्ट्रीय विजन के साथ जोड़ने, विकास योजनाओं को जमीनी स्तर तक पहुंचाने और उनके प्रभावी क्रियान्वयन की रणनीति पर भी विचार-विमर्श हुआ। साथ ही दिसंबर 2025 में आयोजित मुख्य सचिवों के राष्ट्रीय सम्मेलन की सिफारिशों पर भी चर्चा की गई।

भारतीय जहाज पर हमले से गुस्से में भारत

यूएस डिप्लोमैट को सख्त लहजे में हड़काया अमेरिकी हमले में 3 भारतीयों की हुई मौत

नई दिल्ली,11 जून 2026। भारत ने ओमान के तट पर एक वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले की कड़ी निंदा की, जिसमें 24 भारतीय चालक दल के सदस्य सवार थे। ओमान के तट के पास समंदर में एक तेल टैंकर 'सेटोबेलो' पर हुए भयंकर हमले के बाद अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारी भूचाल आ गया है। ओमान तट के पास तेल टैंकर सेटोबेलो पर हुए हमले के बाद 24 भारतीय क्रू में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है, वहीं आदित्य शर्मा समेत 3 भारतीयों की मौत हो गयी है। भारत सरकार ने कमर्शियल जहाज पर हमले की कड़ी निंदा करते हुए अमेरिका के शीर्ष राजनयिक को तलब किया। यूएस स्टेट डिपार्टमेंट ने गुरुवार को कहा कि वह भारत के साथ सीधे संपर्क में हैं। ओमान तट के पास हुए तेल टैंकर हमले ने एक बार फिर समुद्री सुरक्षा और वैश्विक तनाव पर बड़े सवाल खड़े कर दिए हैं। विदेश मंत्रालय ने जहाज पर हमले को लेकर विरोध में अमेरिका के चार्ज डी अफेयर्स जेसन मीक्स को तलब किया था और विरोध पत्र यानी Demarche जारी किया था। विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, 'हम ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत 'सेटेबेलो' पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं।' विदेश मंत्रालय ने कहा है कि भारतीय दूतावास ओमान प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है और सर्च ऑपरेशन जारी है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने बुधवार को बताया कि ओमान तट के पास एक कमर्शियल जहाज पर हुए हमले के बाद जहाज पर सवार 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है।

ममता बनर्जी को चौथा बड़ा झटका

चार दिन में 4 राज्यसभा सांसदों के इस्तीफे कोयल मल्लिक ने भी छोड़ा साथ...

कोलकाता,11 जून 2026। बंगाल विधानसभा चुनाव में करारी पराजय के बाद तृणमूल कांग्रेस का संकट लगातार गहराता जा रहा है। पार्टी के भीतर शुरू हुई बगावत विधानसभा से लेकर संसद तक पहुंच चुकी है। गुरुवार को राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक और अभिनेत्री-सांसद कोयल मल्लिक ने भी अपने पद से इस्तीफा दे दिया। इसके साथ ही पिछले चार दिनों में राज्यसभा से इस्तीफा देने वाले तृणमूल सांसदों की संख्या चार हो गई है। इससे पहले सुखेंदु शेखर राय और सुष्मिता देव भी उच्च सदन की सदस्यता छोड़ चुके हैं। इस्तीफे के बाद मीडिया से बात करते हुए प्रकाश चिक ने कहा- पश्चिम बंगाल में लोगों का फैसला भाजपा के पक्ष में था। पार्टी ने वहां सरकार बनाई। मेरे अपने चुनाव क्षेत्र में हम एक भी सीट नहीं जीत पाए। उत्तर बंगाल में भी नतीजे अच्छे नहीं रहे। इस जनादेश को देखते हुए मुझे लगा कि अब मेरे पद पर बने रहना ठीक नहीं है।

खरगे की अध्यक्षता में कांग्रेस सचिवों और राज्य अध्यक्षों की आपात बैठक,राजनीतिक रणनीति पर हुई चर्चा...

नई दिल्ली,11 जून 2026। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में गुरुवार को एआईसीसी मुख्यालय में पार्टी के महासचिवों, प्रभारियों और पीसीसी अध्यक्षों की अहम बैठक हुई। बैठक में राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल,महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा, जयराम रमेश और कई अन्य नेता मौजूद थे। कांग्रेस नेताओं की यह अहम बैठक हालिया विधानसभा चुनावों और टीएमसी में चल रही फूट के बीच हुई। इस बैठक से एक दिन पहले वेणुगोपाल ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी देते हुए कहा था कि वर्तमान राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा के लिए यह आपात बैठक बुलाई गई है। जानकारी के मुताबिक गुरुवार को हुई बैठक में मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रमों के अलावा बीजेपी द्वारा केंद्र सरकार के 12 साल पूरे होने के प्रचार अभियान और पीएम नरेंद्र मोदी के जवाहरलाल नेहरू का सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड तोड़ने से जुड़े

राजनीतिक विमर्श का जवाब देने की रणनीति पर चर्चा की। पार्टी नेतृत्व दल-बदल की बढ़ती घटनाओं और विपक्षी दलों के बीच समन्वय को मजबूत करने के मुद्दे पर भी विचार किया गया। राज्यों में संभावित सहयोगी दलों के साथ तालमेल बढ़ाने और विपक्षी गठबंधन के विस्तार को लेकर मंथन हो सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक कहा जा रहा है कि इस बैठक में टीएमसी के कुछ सांसदों के लोकसभा में अलग समूह के रूप में बैठने और बीजेपी नीत सरकार की प्राथमिकताओं के साथ जाने की अटकलों के बीच कांग्रेस विपक्षी एकजुटता बनाए रखने के उपायों पर चर्चा की गई। यह बैठक सोमवार को हुई इंडिया गठबंधन की बैठक के बाद आयोजित की गई थी। बैठक के बाद खड़गे ने कहा था कि इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियां राष्ट्रीय मुद्दों पर बेहतर समन्वय के लिए हर दो महीने में बैठक करेंगी। गठबंधन की अगली बैठक अगस्त में हैदराबाद में होगी। खड़गे ने बताया कि इंडिया गठबंधन ने एसआईआर, चुनावी अनियमितताओं और मतदाता सूची से जुड़े मुद्दों को लेकर भारत के मुख्य न्यायाधीश को पत्र लिखने का फैसला किया है।

पश्चिम बंगाल के स्कूल में मिला नोटों का जखीरा,पौने दो करोड़ रुपये बरामद

पश्चिम बंगाल,11 जून 2026। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले से एक बेहद चौंकाने वाला और हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां के कांचरापाड़ा इलाके की फोरमैन कॉलोनी में स्थित 'हरनेट इंग्लिश मीडियम स्कूल' के एक बंद कमरे से पुलिस ने भारी मात्रा में नकदी बरामद की है। यह कमरा पिछले काफी लंबे समय से ताले में बंद था और किसी को कानों-कान खबर नहीं थी कि इसके भीतर क्या चल रहा है। एक गुप्त सूचना के आधार पर बीजपुर थाना पुलिस ने बंद कमरे में अचानक छापेमारी की। जैसे ही पुलिस ने कमरे का दरवाजा खोला, वहां रखे नोटों के विशाल जखीरे को देखकर जांच टीम के पैरों तले जमीन खिसक गई। बंद कमरे से मिले नोटों की तादाद

इतनी ज्यादा थी कि पुलिस कर्मियों के लिए उन्हें हाथों से गिन पाना बिल्कुल नामुमकिन था। स्थिति की गंभीरता और रकम के आकार को देखते हुए पुलिस प्रशासन ने तुरंत नोट गिनने वाली तीन आधुनिक मशीनें मंगवाईं। इसके बाद पुलिस अधिकारियों की मौजूदगी में देर रात से ही नोटों की गिनती का काम युद्ध स्तर पर शुरू किया गया। मशीनों द्वारा लगातार की गई काउंटिंग के बाद गुरुवार तड़के करीब 5:30 बजे जाकर पैसों की गिनती का काम पूरा हो सका।

मणिपुर में कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या,30 घर भी जलाए

इम्फाल,11 जून 2026। मणिपुर में गुरुवार को संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। 30 घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के 6 लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन 6 लोगों के हैं, जिन्हें 13 मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है। मणिपुर के कांगपोकपी जिले के लीलोन वैफेई गांव से 13 मई को नगा समुदाय के 6 लोगों का

अपहरण कर लिया गया था। करीब 29 दिन बाद, 9 जून को कराम वैफेई गांव से 6 शव मिले। माना जा रहा है कि ये शव उन्हीं छह लोगों के हैं, जिन्हें अगवा किया गया था। पुलिस के अनुसार, सभी शव बुधवार रात करीब 2 बजे पोरोम्पाट स्थित अस्पताल लाए गए। शवों के पहुंचने की खबर मिलते ही वहां सैकड़ों लोग जुट गए।

राज्यसभा चुनाव : 26 सीटों में से 14 पर निर्विरोध उम्मीदवार जीते

भाजपा से 10,कांग्रेस से 4 चुने गए,जीतने वालों में मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल

गुजरात की सभी 4 और मध्यप्रदेश की सभी 3 सीटों पर बीजेपी चुनाव जीती

नई दिल्ली,11 जून 2026। 14 उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीत गए। इनके सामने कोई और कैंडिडेट खड़ा नहीं था। इनमें 10 भाजपा और 4 कांग्रेस से हैं। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है। वहीं, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और कांग्रेस के नीरज डांगी निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा गुजरात से भाजपा

के सभी चार राज्यसभा उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है। वहीं, मध्य प्रदेश से भाजपा के रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट की जीत हुई है। हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी। दरअसल, तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया था।

12 सीटों पर 18 जून को वोटिंग : आंध्रप्रदेश की 4, झारखंड की 2 और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु की एक सीट पर 18 जून को वोटिंग होगी। यहां कांग्रेस को एक, भाजपा को 8, जेएमएम को दो और टीवीके को एक सीट पर जीत मिल सकती है।

245 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 147 सांसद : 245 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 147 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 67 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 28 सांसद हैं।

संपादकीय

विकसित भारत की स्वर्णिम यात्रा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत की विकास यात्रा के 12 वर्ष पूरे होना उस परिवर्तनकारी कालखंड का प्रतीक है, जिसने देश की दशा और दिशा को बदला है। वर्ष 2014 में देश ने एक ऐसे नेतृत्व पर विश्वास जताया,जिसने शासन को सत्ता का माध्यम नहीं,सेवा का संकल्प माना। इन 12 वर्षों में भारत ने सेवा,सुशासन,गरीब कल्याण,राष्ट्रीय सुरक्षा,आत्मनिर्भरता और सांस्कृतिक आत्मविश्वास के क्षेत्र में ऐतिहासिक प्रगति की है।

प्रधानमंत्री ने सबका साथ,सबका विकास,सबका विश्वास और सबका प्रयास को केवल नारा नहीं रहने दिया,बल्कि इसे शासन की कार्यसंस्कृति बनाया। गरीब कल्याण इस दौर की सबसे बड़ी पहचान रहा है। प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से 81 करोड़ लोगों को निःशुल्क खाद्यान्न मिल रहा है। प्रधानमंत्री आवास योजना ने करोड़ों गरीब परिवारों को पक्का घर दिया। आयुष्मान भारत ने गरीब परिवारों को महंगे इलाज की चिंता से राहत दी। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि ने अन्नदाताओं को सीधी आर्थिक सहायता दी। ये योजनाएं केवल सरकारी घोषणाएं नहीं रहीं,बल्कि करोड़ों परिवारों के जीवन में सम्मान, सुरक्षा व विश्वास का आधार बनीं।

इन 12 वर्षों में भारत की अर्थव्यवस्था ने भी नई शक्ति प्राप्त की है। आत्मनिर्भर भारत अभियान ने देश को केवल उपभोक्ता बाजार नहीं रहने दिया, बल्कि उत्पादन,नवाचार और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला का मजबूत केंद्र बनाने की दिशा दी। मोबाइल निर्माण,इलेक्ट्रॉनिक्स,रक्षा उत्पादन,सेमीकंडक्टर,फार्मा और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ा है। आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में आत्मविश्वास के साथ खड़ा है। डिजिटल इंडिया ने भारत की शासन व्यवस्था और नागरिक जीवन को पूरी तरह बदल दिया है। यूपीआइ ने डिजिटल भुगतान को आम आदमी के जीवन का हिस्सा बना दिया है। गांवों तक इंटरनेट और डिजिटल सेवाओं की पहुंच ने शासन को तेज,पारदर्शी और सुविधाजनक बनाया है।

आधारभूत संरचना के क्षेत्र में भी पिछले 12 वर्ष ऐतिहासिक रहे हैं। आधुनिक राष्ट्रीय राजमार्ग,एक्सप्रेस-वे,वंदे भारत ट्रेनें,नए एयरपोर्ट,मेट्रो नेटवर्क,अमृत भारत स्टेशन और बेहतर लाजिस्टिक्स ने देश की गति बढ़ाई है। सड़क,रेल, हवाई और डिजिटल कनेक्टिविटी ने उन क्षेत्रों को भी विकास की मुख्यधारा से जोड़ा है,जो लंबे समय तक उपेक्षित रहे थे। छत्तीसगढ़ में 2023 में हुए विधानसभा चुनाव में हमें मोदी की गारंटी पर जनादेश मिला। महतारी वंदन योजना के तहत पात्र हितग्राही महिलाओं को एक हजार रुपये प्रति माह देकर महिला सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है।

आंतरिक सुरक्षा के क्षेत्र में नक्सलवाद के विरुद्ध लड़ाई इस कालखंड की बड़ी उपलब्धियों में से एक है। वर्षों तक देश के अनेक आदिवासी और वनांचल क्षेत्र नक्सली हिंसा,भय और पिछड़ेपन के चक्र में फंसे रहे। प्रधानमंत्री के साहसिक नेतृत्व और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की सफल रणनीति के अनुसार डबल इंजन की सरकार में नक्सलवाद की जड़ों पर निर्णायक प्रहार हुआ। बस्तर, जिसे कभी नक्सल हिंसा के कारण जाना जाता था,आज विकास,विश्वास और बदलाव की नई पहचान बना रहा है। 31 मार्च,2026 तक माओवाद को समाप्त करने का संकल्प सरकार ने पूरा किया। जिन क्षेत्रों में कभी भय था, वहां अब स्कूल,सड़क,स्वास्थ्य सुविधा,मोबाइल कनेक्टिविटी,बैंकिंग सेवा और सरकारी योजनाएं पहुंच रही हैं।

जनजातीय समाज के सम्मान और विकास को भी इन 12 वर्षों में राष्ट्रीय प्राथमिकता मिली है। भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का निर्णय केवल प्रतीकात्मक नहीं,बल्कि जनजातीय अस्मिता के सम्मान का ऐतिहासिक कदम है। पीएम जनमन योजना ने विशेष पिछड़ी जनजातियों की बस्तियों तक सड़क,बिजली,पानी,आवास,शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी सुविधाएं पहुंचाने का काम शुरू किया। धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के माध्यम से जनजातीय गांवों के समग्र विकास की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। छत्तीसगढ़ जैसे जनजातीय बहुल राज्य में इन योजनाओं का प्रभाव विशेष रूप से दिखाई दे रहा है। प्रदेश की बड़ी आबादी जनजातीय समाज से आती है। दूरस्थ अंचलों में रहने वाले परिवारों तक पहली बार योजनाएं व्यवस्थित रूप से पहुंच रही हैं। बस्तर और सरगुजा जैसे क्षेत्रों में वनोपज,पर्यटन,कौशल विकास और स्थानीय उद्यमिता के माध्यम से आजीविका के नए अवसर तैयार हो रहे हैं।

बचपन को श्रम नहीं,शिक्षा,सुरक्षा और सम्मान का अधिकार मिलें

ललित गर्ग
पटपड़गंज,नई दिल्ली

हर वर्ष 12 जून को मनाया जाने वाला बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस केवल एक औपचारिक दिवस नहीं,बल्कि मानवता के अंतःकरण को झकझोरने वाला अवसर है। यह दिन हमें याद दिलाता है कि दुनिया का कोई भी बच्चा मजदूर बनने के लिए पैदा नहीं होता। उसके हाथों में औजार,ईंट,बर्तन, हथौड़े, कूड़े की बोरी या कारखानों की मशीनें नहीं,बल्कि किताबें,खिलौने,रंग,सुनहले सपने और संभावनाएं होनी चाहिए। बचपन जीवन का वह स्वर्णिम काल है जिसमें व्यक्ति के व्यक्तित्व, संस्कार, शिक्षा और भविष्य की नींव रखी जाती है। यदि यही काल श्रम,शोषण और अभाव की भट्ठी में झोंक दिया जाए तो केवल एक बच्चे का नहीं,पूरे समाज और राष्ट्र का भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन-आईएलओ द्वारा 2002 में शुरू किए गए इस दिवस का उद्देश्य बाल श्रम की भयावहता के प्रति वैश्विक चेतना जगाना और इसके उन्मूलन के लिए सामूहिक प्रयासों को गति देना है। वर्ष 2026 में भी यह दिवस ऐसे समय पर आ रहा है जब दुनिया तकनीकी विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और आर्थिक प्रगति के नए आयाम छू रही है,लेकिन दूसरी ओर करोड़ों बच्चे आज भी शिक्षा और बचपन के अधिकार से वंचित हैं। यह विडम्बना मानव सभ्यता के सामने एक गंभीर प्रश्नचिह्न है। जब हम किसी ढाबे, होटल,चाय की दुकान,कारखाने,गैरेज, ईंट-भट्टे,खेत या ट्रैफिक सिग्नल पर किसी मासूम बच्चे को कठिन श्रम करते देखते हैं,तब अक्सर हमारी संवेदना कुछ क्षणों के लिए जागती है और फिर हम अपने काम में व्यस्त हो जाते हैं। लेकिन प्रश्न यह है कि कब तक हम इस पीड़ा को सामान्य मानते रहेंगे? क्या हम उस बचपन की चीख नहीं सुन पा रहे जो अपने अधिकारों से वंचित होकर मजदूरी के अंधेरे में खो रहा है?

आज भी विश्व में करोड़ों बच्चे किसी न किसी रूप में बाल श्रम में संलग्न हैं। इनमें से बड़ी संख्या खतरनाक परिस्थितियों में काम करती है, जहां उनका शारीरिक, मानसिक और भावनात्मक विकास बाधित होता है। गरीबी,अशिक्षा,बेरोजगारी,सामाजिक असमानता,विस्थापन,तस्करी,युद्ध, प्राकृतिक आपदाएं और कमजोर सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थाएं बाल श्रम की प्रमुख वजहें हैं। परिवार की आर्थिक विवशताएं बच्चों को स्कूल की बजाय काम की दुनिया में धकेल देती हैं। लेकिन गरीबी का समाधान बच्चों से काम कराना नहीं,बल्कि परिवारों को सम्मानजनक रोजगार और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। बाल श्रम केवल आर्थिक समस्या नहीं है;यह मानवाधिकारों का गंभीर उल्लंघन है। यह बच्चों से उनका बचपन,शिक्षा,स्वास्थ्य, खेलकूद,आत्मविश्वास और भविष्य छीन लेता है। जो बच्चा विद्यालय में होना चाहिए,वह यदि कारखाने में है,तो यह केवल उस बच्चे की नहीं,पूरे समाज की विफलता है। बाल श्रम गरीबी का चक्र भी बनाए रखता है,क्योंकि अशिक्षित बच्चा बड़ा होकर कम आय वाले कार्यों तक सीमित रह जाता है और अगली पीढ़ी भी उसी अभाव में जीने को मजबूर होती है।

भारत सहित अनेक देशों में बाल श्रम रोकने के लिए कानून बनाए गए हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आईएलओ के कन्वेंशन 138 और कन्वेंशन 182 न्यूनतम कार्य आयु और बाल श्रम के सबसे खतरनाक रूपों पर रोक लगाने के लिए महत्वपूर्ण आधार प्रदान करते हैं। भारत में भी बाल एवं किशोर श्रम

प्रकाशक: दैनिक घटती-घटना

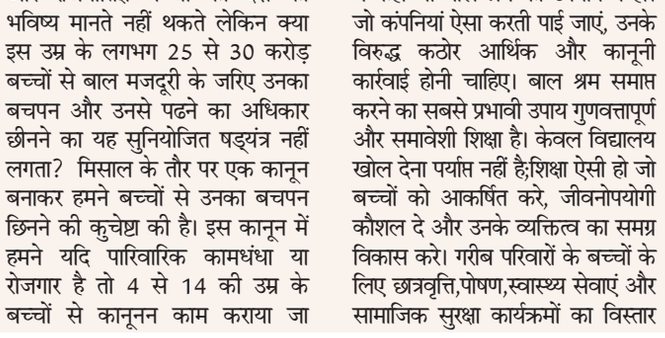

(प्रतिषेध एवं विनियमन) अधिनियम तथा शिक्षा का अधिकार कानून मौजूद हैं। लेकिन कानूनों की प्रभावशीलता उनके कठोर और ईमानदार क्रियान्वयन पर निर्भर करती है। कई बार कानूनी प्रावधान होने के बावजूद बाल श्रम छिपे हुए रूपों में जारी रहता है। आज आवश्यकता केवल कानून बनाने की नहीं,बल्कि उन्हें सामाजिक आंदोलन का स्वरूप देने की है। बाल श्रम को समाप्त करने के लिए राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर व्यापक जन-जागरण अभियान चलाए जाने चाहिए। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं,सामाजिक संगठनों, मीडिया, उद्योग जगत और नागरिक समाज को इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी होगी। जिस प्रकार पर्यावरण संरक्षण और महिला अधिकारों को लेकर वैश्विक चेतना विकसित हुई है,उसी प्रकार बाल अधिकारों के लिए भी विश्वव्यापी जनमत तैयार करना होगा। कैसा विरोधाभास है कि हमारा समाज,सरकार और राजनीतिज्ञ बच्चों को देश का भविष्य मानते नहीं थकते लेकिन क्या इस उम्र के लगभग 25 से 30 करोड़ बच्चों से बाल मजदूरी के जरिए उनका बचपन और उनसे पढने का अधिकार छीनने का यह सुनियोजित षड्यंत्र नहीं लगता? मिसाल के तौर पर एक कानून बनाकर हमने बच्चों से उनका बचपन छिनने की कुचेष्टा की है। इस कानून में हमने यदि पारिवारिक कामधंधा या रोजगार है तो 4 से 14 की उम्र के बच्चों से कानूनन काम कराया जा सकता है और कोई उनका कुछ नहीं बिगाड़ सकता। यह कैसी विडम्बना है कि जब इस उम्र के बच्चों को स्कूल में होना चाहिए, खानदानी व्यवसाय के नाम पर एक पूरी पीढ़ी को शिक्षा, खेलकूद और सामान्य बाल्य सुलभ व्यवहार से वंचित किया जा रहा है और हम अपनी पीठ थपथपाए जा रहे हैं। बच्चों को बचपन से ही आत्मनिर्भर बनाने के नाम पर हकीकत में हम उन्हें पैसा कमाकर लाने की मशीन बनाकर अंधकार में धकेल रहे हैं।

विशेष रूप से डिजिटल युग में तकनीक का उपयोग बाल श्रम उन्मूलन के लिए किया जा सकता है। प्रत्येक उद्योग और आपूर्ति श्रृंखला की पारदर्शी निगरानी, बाल श्रम शिकायतों के लिए ऑनलाइन पोर्टल,त्वरित कार्रवाई तंत्र और कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित निगरानी प्रणालियां विकसित की जा सकती हैं। अंतरराष्ट्रीय कंपनियों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि उनकी आपूर्ति श्रृंखला में कहीं भी बाल श्रम का उपयोग न हो। जो कंपनियां ऐसा करती पाई जाएं, उनके विरुद्ध कठोर आर्थिक और कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। बाल श्रम समाप्त करने का सबसे प्रभावी उपाय गुणवत्तापूर्ण और समावेशी शिक्षा है। केवल विद्यालय खोल देना पर्याप्त नहीं है;शिक्षा ऐसी हो जो बच्चों को आकर्षित करे, जीवनोपयोगी कौशल दे और उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास करे। गरीब परिवारों के बच्चों के लिए छात्रवृत्ति,पोषण,स्वास्थ्य सेवाएं और सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों का विस्तार आवश्यक है। यदि परिवार की न्यूनतम आवश्यक ताओं की पूर्ति सुनिश्चित होगी तो बच्चों को मजदूरी के लिए भेजने की मजबूरी भी कम होगी।

हमें यह भी समझना होगा कि बचपन केवल जीवित रहने का नाम नहीं है; बचपन का अर्थ है सपने देखने की स्वतंत्रता, खेलने का अधिकार, सीखने का अवसर,स्नेहपूर्ण वातावरण और सुरक्षित भविष्य। जिस समाज में बच्चे मुस्कुरा नहीं सकते,वह समाज कभी वास्तविक विकास नहीं कर सकता। आर्थिक विकास की ऊंची इमारतें तब तक अधूरी हैं जब तक उनके नीचे किसी बच्चे का कुचला हुआ बचपन पड़ा हो। महान शिक्षाविद् नेल्सन मंडेला ने कहा था,किसी समाज की आत्मा को जानने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि वह अपने बच्चों के साथ कैसा व्यवहार करता है। यदि हम सचमुच विकसित और संवेदनशील समाज बनना चाहते हैं तो हमें अपने बच्चों के प्रति दृष्टिकोण बदलना होगा। उन्हें दया का नहीं,अधिकार का विषय मानना होगा।

आज आवश्यकता है कि सरकारें बाल श्रम के विरुद्ध शून्य-सहिष्णुता की नीति अपनाएं,अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को मजबूत करें,तस्करी और बंधुआ श्रम के नेटवर्क को ध्वस्त करें,और हर बच्चे तक शिक्षा एवं सुरक्षा की पहुंच सुनिश्चित करें। साथ ही प्रत्येक नागरिक यह संकल्प ले कि वह किसी भी रूप में बाल श्रम को बढ़ावा नहीं देगा और जहां भी ऐसी घटना देखेगा,उसके विरुद्ध आवाज उठाएगा। बाल श्रम के विरुद्ध विश्व दिवस हमें यह संदेश देता है कि बचपन को बचाना केवल सामाजिक दायित्व नहीं, बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य की रक्षा का संकल्प है। यदि हम प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा,स्वास्थ्य, संस्कार और अवसर प्रदान कर सकें,तो वही बच्चा कल एक सशक्त नागरिक,संवेदनशील मानव और राष्ट्रनिर्माता बनेगा। सच तो यह है कि बचपन को बचाना ही भविष्य को बचाना है। जब दुनिया का हर बच्चा भय और श्रम से मुक्त होकर मुस्कुराएगा,तभी मानव विकास की यात्रा वास्तव में सार्थक कहलाएगी।

व्यूज की अंधी दौड़ में लहूलुहान होती सामाजिक मर्यादा

अजय कुमार,
लखनऊ,उत्तरप्रदेश

गुरुग्राम के एक स्टैंडअप कॉमेडी शो में रु 370 की बिरयानी की कीमत एक महिला की अस्मिता से लगाने वाले दर्शक का वीडियो और उस पर ताली पीटते कॉमेडियन प्रणीत मोरे का ठहाका सिर्फ एक तात्कालिक विवाद नहीं, बल्कि भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी के उस गहरे नैतिक और वैचारिक पतन का दस्तावेज़ है,जो पिछले एक दशक से धीरे-धीरे हमारे समाज में पैठ बना रहा था। यह घटना साफ तौर पर रेखांकित करती है कि व्यूज,लाइक्स और वायरल क्लिप्स की अंधी दौड़ में हास्य और अश्लीलता के बीच का अंतर पूरी तरह समाप्त हो चुका है। जहाँ दर्शक हिमांशु जांगड़ा की नौकरी चली गई,वहीं प्रणीत मोरे को अपना सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर माफी मांगनी पड़ी। वहीं,दिवंगत अभिनेता इरफान खान की पत्नी सुतापा सिकदर से लेकर अभिनेत्री रश्मि देसाई तक ने इस खोखली माफी को सिरे से खारिज कर दिया। विवाद केवल यहीं नहीं थमा; इसी शो की एक अन्य क्लिप में एक महिला मेडिकल छात्रा ने मेडिकल कॉलेज में डेड बॉडी के प्राइवेट पार्ट्स पर मज़ाक बनाने की बात गर्व से कबूल की,जिसने चिकित्सा जगत की नैतिकता और देहदान करने वाले परिवारों की भावनाओं को बुरी तरह झकझोर कर रख दिया। यह अराजकता किसी एक मंच की नहीं,बल्कि उस क्राउडवर्क फॉर्मेट की देन है,जहाँ बिना स्क्रिप्ट,बिना सेंसर और बिना संपादन के केवल तात्कालिक भीड़ को हंसाने के लिए किसी भी हद तक जाने की खुली छूट ले ली गई है। भारतीय स्टैंडअप कॉमेडी का इतिहास पिछले एक दशक में जितनी तेज़ी से व्यावसायिक रूप से समृद्ध हुआ है,वैचारिक और सामाजिक रूप से वह उतना ही सतही और खोखला होता गया है। आज डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा एल्गोरिदम रचनात्मकता से ज्यादा शॉक वैल्यू और विवाद को बढ़ावा देता है। जब कलाकार को पता होता है कि जितना तीखा,अभद्र या विवादास्पद कंटेंट होगा,रील्स और शॉर्ट्स पर उतने ही मिलियन व्यूज मिलेंगे,तो वह सामाजिक मर्यादाओं को ताक पर रख देता है। अभिनेत्री रश्मि देसाई और आयशा खान का यह सवाल बेहद मौजूंद है कि जब एक महिला की गरिमा को मंच पर तार-तार किया जा रहा था,तब उस हॉल में बैठे सैकड़ों लोगों में से एक भी व्यक्ति ऐसा क्यों नहीं था,जो उठकर इसका विरोध करता? सामूहिक हँसी अक्सर व्यक्तिगत विवेक को सुला देती है और यही इस डिजिटल इकॉनॉमी का सबसे खतरनाक पहलू है। जब हास्य का पैमाना केवल भीड़ का ठहाका बन जाए,तो वह कला नहीं,बल्कि एक अनियंत्रित तमाशा बन जाती है।

यदि हम पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों और इतिहास पर नज़र डालें, तो स्टैंडअप

कॉमेडी का यह भटकाव हर दिशा में फैला है,चाहे वह धर्म हो, देश की सुरक्षा एजेंसियां हों,सेना हो या फिर लोक संस्कृति। साल 2021 में मुनव्वर फारुकी को इंदौर में हिंदू देवी-देवताओं और गृह मंत्री पर कथित अभद्र टिप्पणी के आरोप में करीब एक महीना जेल में बिताना पड़ा था। इसके बाद 2023 में भारतीय मूल की अमेरिकी कॉमेडियन जरना गर्ग का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने 19,000 हिंदू देवी-देवताओं का मज़ाक उड़ाया,जिसके खिलाफ देशव्यापी आक्रोश देखने को मिला और कई राज्यों में एफआईआर की मांग की गई। साल 2024 में पुनः मुनव्वर फारुकी को मुंबई के एक शो में कोंकणी समुदाय पर अपमानजनक टिप्पणी के लिए लिखित माफी मांगनी पड़ी। वर्ष 2025 में यह विवाद चरम पर पहुंच गया,जब महाराष्ट्र में महज दो महीनों के दौरान कुणाल कामरा,समय रैना और प्रणीत मोरे पर अलग-अलग मामलों में गंभीर एफआईआर दर्ज हुई। कुणाल कामरा द्वारा राजनीतिक नेतृत्व पर किए गए कटाक्ष के बाद मुंबई के हैबिटेट क्लब में तोड़फोड़ हुई और बीएमसी की कार्रवाई झेलनी पड़ी। इसी तरह अतीत में तन्मय भट्ट द्वारा भारत रत्न लता मंगेशकर और सचिन तेंदुलकर का मज़ाक उड़ाने पर भारी कानूनी और सामाजिक विरोध का सामना करना पड़ा था,जबकि आंध्र प्रदेश में कॉमेडियन अनुदीप को अभिनेता व नेता पवन कल्याण पर की गई टिप्पणी के कारण पुलिस हिरासत में जाना पड़ा।

यह पूरा परिदृश्य दिखाता है कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के नाम पर एकतरफा ढाल तैयार की जा रही है। जब राजनेताओं,पुलिसकर्मियों या सेना के जवानों पर व्यंग्य किया जाता है, तो उसे लोकतांत्रिक अधिकार का नाम दिया जाता है,लेकिन जब इसी स्वतंत्रता का उपयोग किसी मृत देह के अपमान, किसी समुदाय की अस्मिता को ठेस पहुँचाने या महिला विरोधी मानसिकता को बढ़ावा देने के लिए किया जाता है, तब इसे किस श्रेणी में रखा जाएगा? देश में हर साल हजारों स्टैंडअप शो होते हैं और इनके वीडियो यूट्यूब व इंस्टाग्राम पर करोड़ों की कमाई करते हैं। इस विशाल बाजार की अपनी एक सामाजिक जिम्मेदारी बनती है। एक जीवंत लोकतंत्र में सत्ता,रूढ़ियों और पाखंड पर तीखा कटाक्ष होना अनिवार्य है और भारत में ऐसे बेहतरीन कलाकार हैं, जो मर्यादा में रहकर यह काम करते हैं। परंतु जब पूरी इंडस्ट्री को एक ही तराजू में तौला जाता है,तो नुकसान उन वास्तविक कलाकारों का होता है,जो कला की समझ रखते हैं। प्रणीत मोरे का यह कहना कि वह इंसान हैं और सीख रहे हैं,एक पेशेवर मंच पर अपनी जिम्मेदारी से भागने जैसा है। यदि वीडियो को एडिट कर,उस पर आकर्षक टैग लगाकर जानबूझकर वायरल किया गया,तो कॉमेडियन इस प्रकरण में बराबर का भागीदार है। हास्य का मूल उद्देश्य समाज को आईना दिखाना और तनाव कम करना होता है, न कि किसी की गरिमा को कुचलना। सरकार या अदालतें कानून बनाकर मंच पर सेंसरशिप लागू नहीं कर सकतीं और न ही यह एक स्वस्थ समाज के लिए सही होगा। इसकी अंतिम रेखा उस दर्शक को ही खींचनी होगी,जो टिकट खरीदकर इन शो में बैठता है। जब तक दर्शक अश्लीलता,अभद्रता और संवेदन हीनता पर तालियाँ बजाना बंद नहीं करेंगे,तब तक व्यूज की भूख से तड़पते ये क्रिएटर मर्यादाओं को लांघते रहेंगे। समय आ गया है कि डिजिटल युग की इस बर्बर हँसी के खिलाफ समाज स्वयं अपनी मूक सहमति को तोड़े और यह तय करे कि मनोरंजन के नाम पर किस हद तक नीचे गिरने की इजाजत दी जा सकती है।

बचपन की मिठास को कड़वे पसीने में बदलती यह निर्दयी दुनिया

प्रो. आरके जैन अरिजीत,बड़वानी,मध्यप्रदेश

किसी भी समाज का भविष्य बच्चों की आँखों में बसता है। जब उन आँखों के सपने स्कूल की चौखट तक पहुँचने से पहले ही श्रम की धूल में खो जाएँ,जब नन्हे हाथ खिलौनों और किताबों के बजाय बोझ और औजार उठाने लगें, तब समझ लेना चाहिए कि कहीं न कहीं मानवता हार रही है। 12 जून का विश्व बाल श्रम निषेध दिवस इसी पीड़ा की याद दिलाता है–यह उन करोड़ों बच्चों की मौन पुकार है जिनसे उनका बचपन छिन गया। तकनीकी युग में भी असंख्य बच्चे श्रम की बेड़ियों में जकड़े हैं। किसी राष्ट्र की सच्ची समृद्धि उसके सुरक्षित,शिक्षित और सम्मानजनक बचपन से मापी जाती है,बचपन असुरक्षित हो तो विकास फीका पड़ जाता है।आँकड़े बताते हैं कि बाल श्रम के विरुद्ध लड़ाई अभी अधूरी है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन और यूनिसेफ की 2025 की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2024 में भी दुनिया के लगभग 138 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हुए थे, जिनमें 54 मिलियन बच्चे ऐसे खतरनाक कार्य कर रहे थे जो उनके जीवन, स्वास्थ्य और भविष्य के लिए सीधा खतरा हैं। निस्संदेह,वर्ष 2000 के 246 मिलियन की तुलना में यह संख्या लगभग आधी हुई है,पर संतोष का कोई कारण नहीं है। संयुक्त राष्ट्र का सतत विकास लक्ष्य 8.7,जिसके तहत 2025 तक बाल श्रम समाप्त करने का संकल्प था,पूरा नहीं हो सका। प्रयासों ने तस्वीर बदली है, लेकिन हकीकत नहीं;जब तक आखिरी बच्चा भी श्रम से मुक्त नहीं होता,तब तक हर उपलब्धि अधूरी रहेगी।

बाल श्रम का वैश्विक भूगोल भी गहरी चिंता पैदा करता है। उप-सहारा अफ्रीका में लगभग 87 मिलियन बच्चे बाल श्रम में फँसे हैं,जो विश्व के कुल बोझ का लगभग दो-तिहाई है। एशिया-प्रशांत क्षेत्र में संख्या 49 मिलियन से घटकर 28 मिलियन हुई है,पर राहत अभी अधूरी है। आज भी लगभग 61 प्रतिशत बाल श्रमिक कृषि क्षेत्र में कार्यरत हैं। खेतों,बागानों और पशुपालन में खपते इन बच्चों के श्रम का हिसाब मिलता है,लेकिन उनके खोए बचपन का नहीं। घरेलू काम,छोटे कारखाने,बाजार,निर्माण स्थल और वैश्विक आपूर्ति शृंखलाएँ भी बाल श्रम के छिपे केंद्र बने हुए हैं। विडंबना यह है कि हम उत्पादों की चमक देखते हैं, पर उनके पीछे खोया बचपन नहीं।

भारत की स्थिति किसी भी तरह के आत्मसंतोष की गुंजाइश नहीं छोड़ती। आधिकारिक आँकड़ों में लाखों बच्चे बाल श्रम में दर्ज हैं,जबकि विशेषज्ञ इसे इससे कहीं अधिक मानते हैं। कृषि,पटाखा,चमड़ा,काँच उद्योग,खदानें और शहरी घरेलू कार्य–हर जगह बचपन श्रम में उलझा दिखता है। महामारी के बाद बढ़ी गरीबी, मानव तस्करी,पारिवारिक मजबूरियाँ और जलवायु संकट ने इस समस्या को और गहरा कर दिया है। सबसे बड़ी विडंबना यह है कि आज श्रम में खोया हर बच्चा कल की प्रतिभा हो सकता था। बाल श्रम दरअसल भविष्य की संभावनाओं की चोरी है। कानून मौजूद हैं,पर उनका प्रभावी क्रियान्वयन अब भी कमजोर है–एफआईआर बढ़ती हैं, लेकिन दोषसिद्धि कम।

बाल श्रम केवल अर्थव्यवस्था का मुद्दा नहीं, बल्कि समाज की नैतिक परीक्षा है। एक ओर हम बच्चों को देवतुल्य मानकर पूजते हैं,दूसरी ओर वही व्यवस्था उन्हें सबसे सस्ता श्रमिक बना देती है। गरीबी,अशिक्षा, वयस्कों के लिए रोजगार की कमी और कमजोर सामाजिक सुरक्षा–ये चार आधार बाल श्रम को मजबूती देते हैं। आजीविका के दबाव में परिवार बच्चों को भी श्रम की ओर धकेल देते हैं। साथ ही जलवायु परिवर्तन,आर्थिक संकट,संघर्ष और युद्ध जैसी वैश्विक परिस्थितियाँ उनके बचपन को और संकुचित कर रही हैं। स्पष्ट है कि समाधान केवल बच्चों को काम से हटाने में नहीं,बल्कि उन सामाजिक-आर्थिक कारणों को बदलने में है जो उन्हें वहाँ पहुँचाते हैं।बाल श्रम के विरुद्ध अभियान में वर्ष 2026 का विषय निर्णायक संकेत देता है–बाल श्रम को लाल कार्ड– बच्चों के लिए उचित अवसर, वयस्कों के लिए सम्मानजनक कार्य। यह केवल नारा नहीं, बल्कि नीति परिवर्तन का आह्वान है। इसका स्पष्ट संदेश है कि बच्चों को अवसर और वयस्कों को सम्मानजनक रोजगार साथ-साथ दिए बिना बाल श्रम समाप्त नहीं होगा।

सीट नं.71,वह भी आरएएसी,न बाबा न!

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा उरतृप्त

गाड़ी छूटने में अभी पंद्रह मिनट बाकी थे और मैं प्लेटफार्म पर ऐसे टहल रहा था जैसे बकरे को ईद से पहले आखिरी बार टहलाया जाता है। जेब से टिकट निकालकर मैंने तीसरी बार देखा। नंबर वही,बोगी वही,और वह कुख्यात कोना भी वही था जहाँ पहुँचकर आदमी को अपने पूर्वजों के कर्मों पर शक होने लगता है। रेल विभाग ने शायद ब्रह्मांड के सारे बचे-खुचे पापों की ईएमआई वसूलने के लिए उस जगह सीट नं. 71 साइड लोअर का आविष्कार किया होगा।

मैं जब वहाँ पहुँचा तो लगा किसी ने इंसानों के लिए नहीं, कबाड़ की बोरियों के लिए सीट बनाई है। आधी जगह पर एक राजस्थानी भाई साहब पहले से पालथी मारे जमे थे। मूँछें ऐसी कड़क जैसे दो नेवले आपस में कुश्ती लड़ने की पोजीशन में हों। मुझे देखते ही कबीलाई अंदाज़ में बोले, आओ सा, बैठ जाओ। यहाँ आदमी नहीं बैठता, आदमी की केवल उम्मीद बैठती है। मैं अभी इस भारी-भरकम फिलॉसफी पर विचार ही कर रहा था कि एक तमिल युवक भी वहाँ आ टपका। उसने पहले सीट देखी, फिर हमें देखा, फिर सीधे ऊपर वाले को देखा और रोनी सूरत बनाकर बोला, अय्यो, हम किधर बैठेगा।

तभी पीछे का जादुई दरवाजा खुला।

एक झोंका आया।

फिर दूसरा आया।

फिर तीसरा आया।

तीनों झोंकों ने मिलकर मेरे जीवन की सारी पुरानी यादों का दूरदर्शन पर लाइव री-टेलीकास्ट शुरू कर दिया। मुझे पहली कक्षा की वो मारकुटानी मास्टरनी याद आ गई। गाँव का वो कीचड़ भरा पोखरा याद आ गया। बचपन में नाली में खोया हुआ लट्टू याद आ गया। इतनी तीव्र और भयानक अनुभूति तो ऋषियों को घोर तपस्या में भी न हुई होगी। राजस्थानी भाई ने तुरंत जेब से रूमाल निकाला, उसे डिटॉल की तरह नाक पर बाँधा और बोले, म्हारे यहाँ ऊँट के तबेले में भी इतनी आत्मीयता और खुशबू नहीं मिलती सा! तमिल युवक तड़पकर बोला, हमारे गाँव में मछली बाजार है भाई, पर वहाँ भी हवा अपनी मर्यादा में रहती है।

गाड़ी चली और हमारी रही-सही इज्जत का कचरा होना भी शुरू हुआ। पहला यात्री आया, उसने हमारी बदहाल हालत को देखा,एक कुटिल मुस्कान दी और आगे बढ़ गया। दूसरा आया, उसने हमें देखकर ऐसे सिर हिलाया जैसे किसी भयानक एक्सीडेंट स्पॉट का मुआयना कर रहा हो। तीसरा आया,उसने जेब से फॉग का डब्बा निकाला, फिर हमारी शक्लें देखकर न जाने क्या सोचा और चुपचाप जेब में रख लिया। शायद उसे लगा कि टीवी के विज्ञापन तो सब फेकमफाक होते हैं, यहाँ तो साक्षात यमराज की हवा चल रही है।

कुछ ही देर में हमारी वह सीट सार्वजनिक चौपाल और लावारिस बस स्टैंड में बदल गई। कोई हमारे कंधे पर कोहनी रखकर खड़ा था, कोई अपना भारी-भरकम पेट हमारे सिर पर टिकाकर रील सरका रहा था। कोई हमारे घुटनों को रेल मंत्रालय की लावारिस संपत्ति समझकर उन पर पैर रखकर सुस्ता रहा था।

तभी एक बच्चा अपनी मम्मी से बोला, मम्मी, ये तीनों अंकल सो क्यों नहीं रहे? मम्मी ने बड़े गंभीर लहजे में कहा, बेटा, ये लोग सो नहीं रहे, ये जीवन का कड़वा अनुभव ले रहे हैं।मैंने जिंदगी में पहली बार महसूस किया कि साला दुख भी कभी-कभी टूरिस्ट स्पॉट बन जाता है, जहाँ लोग आते हैं,आपको तड़पता देखते हैं और अपनी किस्मत को दुआ देकर चले जाते हैं।रात जैसे-जैसे गहरी हुई, हमारा वो कोना किसी इंटरनेशनल बॉर्डर की चौकी बन गया। जो भी उधर टॉयलेट की तरफ जाता,चेहरे पर वीर रस के भाव लेकर जाता। और जो उधर से लौटता, वो किसी हारी हुई जंग को जीतकर लौटे विजयी सेनापति की मुद्रा में मुस्कुराता।

सूचना

समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।
-सम्पादक

CMYK

इवनिंग वॉक पर निकले शिक्षक को तेज रफ्तार बाइक ने मारी टक्कर,मौत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
थाना उदयपुर क्षेत्र के अलकापुरी स्थित पेट्रोल पंप के सामने बुधवार शाम हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक शिक्षक की मौत हो गई, जबकि बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई है। जानकारी के अनुसार, मिडिल स्कूल केशगवां में पदस्थ शिक्षक प्रदीप कश्यप (58 वर्ष) बुधवार शाम करीब 7 से 8 बजे के बीच रोज की तरह इवनिंग वॉक पर निकले थे। इसी दौरान अलकापुरी स्थित पेट्रोल पंप के सामने एक तेज रफ्तार बाइक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि शिक्षक प्रदीप कश्यप की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र उदयपुर ले जाया गया। वहां चिकित्सकों ने प्रदीप कश्यप को मृत घोषित कर दिया। वहीं घायल बाइक चालक भुनेश्वर राजवाड़े, निवासी पतरापारा उदयपुर, की गंभीर स्थिति को देखते हुए प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया।

पुलिस ने की आवश्यक कार्रवाई...

घटना की सूचना पर थाना प्रभारी शिशिरकांत सिंह, प्रधान आरक्षक संजय नागेश एवं आरक्षक हेमंत लकड़ा मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर पंचनामा,मर्ग कायम सहित अन्य वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी कीं तथा पोस्टमार्टम के उपरांत शव परिजनों को सौंप दिया।

क्वार्टर पहुंचने से पहले हुआ हादसा

बताया जाता है कि प्रदीप कश्यप खरफरी नाला के पास स्थित शासकीय आवासीय कॉलोनी में रहते थे और प्रतिदिन शाम को टहलने निकलते थे। बुधवार को भी वे अपने आवास लौट रहे थे। हादसे के समय उनके क्वार्टर की दूरी महज 500 मीटर शेष थी, तभी यह दुर्घटना हो गई। गुरुवार सुबह करीब 11 बजे शिक्षक के शव का पोस्टमार्टम कराया गया। इसके बाद शव को उनके गृह ग्राम ठाकुरकांपा, थाना तखतपुर, जिला बिलासपुर के लिए रवाना कर दिया गया।

क्षेत्र में शोक की लहर

प्रदीप कश्यप अपने सरल, सहज और मिलनसार व्यक्तित्व के लिए जाने जाते थे। वे विद्यार्थियों और सहकर्मी शिक्षकों के बीच काफी लोकप्रिय थे। उनके आकस्मिक निधन की खबर से विद्यालय परिवार सहित पूरे उदयपुर क्षेत्र में शोक की लहर है। शिक्षक, कर्मचारी, जनप्रतिनिधि एवं स्थानीय नागरिकों ने गहरा दुःख व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति तथा शोकाकुल परिवार को संबल प्रदान करने की प्रार्थना की है। सोशल मीडिया सहित विभिन्न माध्यमों से लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की है।

रेडियो एक्टिव पैकिंग और दुर्लभ वस्तु बेचने के नाम पर 3.08 करोड़ की ठगी,तीन आरोपी गिरफ्तार...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस ने करोड़ों रुपये की ठगी के एक बड़े मामले का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने दुर्लभ पुरानी वस्तु, रेडियो एक्टिव पैकिंग तथा उसे ऊंचे दामों पर बेचने का झांसा देकर एक व्यक्ति से 3 करोड़ 8 लाख 78 हजार रुपये की ठगी की थी। पुलिस ने आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। सरगुजा पुलिस अधीक्षक राजेश अग्रवाल के निर्देशन में जिले में लंबित प्रकरणों के आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना गांधीनगर पुलिस ने इस हाई-प्रोफाइल ठगी मामले में कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार, ग्राम गंगापुरखुर्द निवासी करमबेल कच्छप ने थाना गांधीनगर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि जुलाई 2023 से सितंबर 2024 के बीच आरोपियों ने सुनियोजित षड़यंत्र के

तहत फर्जी रिपोर्ट और रजिस्ट्रेशन दस्तावेज दिखाकर दुर्लभ पुरानी वस्तु एवं रेडियो एक्टिव सामग्री की पैकिंग और बिक्री के नाम पर उससे कुल 3,08,78,000 रुपये प्राप्त कर लिए। शिकायत के आधार पर थाना गांधीनगर में अपराध क्रमांक 217/2026 के तहत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान साइबर सेल की तकनीकी सहायता से आरोपियों की लोकेशन और गतिविधियों का पता लगाया गया। इसके बाद दो विशेष पुलिस टीमों का गठन कर पश्चिम बंगाल और उत्तर प्रदेश भेजा गया। पुलिस को सफलता तब मिली जब मुख्य आरोपी रेलवे मार्ग से भागने की फिराक में मिले। बिहार के पटना रेलवे स्टेशन पर रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर के सहयोग से घेराबंदी कर दो आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर तीसरे आरोपी को वाराणसी से पकड़ा गया। गिरफ्तार आरोपियों में डॉ. बल्ला रामा कृष्णा (51 वर्ष), संजय कुमार बिंद (38 वर्ष) तथा बाबूलाल राजभर (55 वर्ष) शामिल हैं। आरोपियों के कब्जे से एटीएम कार्ड, चेकबुक और मोबाइल फोन जब्त किए गए हैं। जांच में करोड़ों रुपये की ठगी के पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद तीनों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार यह कार्रवाई साइबर तकनीक,अंतरराज्यीय समन्वय और लगातार निगरानी के कारण संभव हो सकी। मामले की आगे भी जांच जारी है तथा यह पता लगाया जा रहा है कि आरोपियों ने इसी प्रकार की ठगी अन्य लोगों के साथ भी की है या नहीं। इस कार्रवाई में थाना गांधीनगर प्रभारी निरीक्षक प्रवीण कुमार द्विवेदी, साइबर सेल टीम तथा रेलवे सुरक्षा बल बिलासपुर के अधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

बस स्टैंड के पास दो बाइकों की भिड़ंत...युवक की मौत,तीन घायल

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
रामानुजनगर बस स्टैंड के पास गुरुवार दोपहर दो मोटरसाइकिलों की आमने-सामने भिड़ंत में एक युवक की मौत हो गई,जबकि तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय सूरजपुर रेफर किया गया है। पुलिस के अनुसार ग्राम जगन्नाथपुर निवासी राजेंद्र (23

वर्ष) अपने साथी नमन राज के साथ बाइक क्रमांक सीजी 29 एजे 2983 से रामानुजनगर आया था। दोपहर करीब 2 बजे बस स्टैंड के पास उनकी बाइक सामने से आ रही मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 15 डीजेड 2851 से टकरा गई। दूसरी बाइक को गोकुलपुर निवासी दिनेश चला रहा था, जबकि उसके साथ ग्राम सुरता निवासी दीपू सवार था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी भीषण थी कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए और चारों युवक सड़क पर जा गिरे। हादसे में राजेंद्र को गंभीर चोटें आईं, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामानुजनगर पहुंचाया गया। वहां चिकित्सकों ने राजेंद्र को मृत घोषित कर दिया। वहीं नमन राज, दिनेश और दीपू की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें जिला चिकित्सालय सूरजपुर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही रामानुजनगर पुलिस मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की विवेचना शुरू कर दी है।

यह सम्मान मेरी माटी का है : अहमदाबाद में मिला राष्ट्रीय सम्मान अब माँ महामाया को समर्पित करेंगे वर्ल्ड रिकॉर्ड का मेडल...

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
'यह सम्मान केवल मेरा नहीं, मेरी माटी, मेरी संस्कृति और अंबिकापुर की जनता का है। माँ महामाया के आशीर्वाद के बिना यह संभव नहीं था।' अहमदाबाद से राष्ट्रीय सम्मान प्राप्त कर लौटे विश्व रिकॉर्डधारी लाल विजय श्रीवास्तव 'लाल जी' ने यह बात कही। गुजरात के अहमदाबाद स्थित सिल्वर क्लाउड होटल में 6 जून को आयोजित राष्ट्रीय समारोह में लाल जी को '10वां जीनियस इंडियन अचीवर्स अवार्ड' से सम्मानित किया गया। समारोह में मुख्य अतिथि डॉ. पी.के. राजपूत, डॉ. पंडित आर.बी. नायर एवं सीईओ पावन सोलंकी ने उन्हें ट्रॉफी प्रदान की। इस उपलब्धि के बाद अंबिकापुर लौटने पर उनके समर्थकों और शुभचिंतकों ने खुशी जताई। लाल जी अपनी अनूठी साधना और सूर्य निहारने की कला को लेकर देशभर में चर्चा में रहे हैं। इसी प्रतिभा के आधार पर उन्हें अंतरराष्ट्रीय स्तर पर

पहचान मिली है। हाल ही में उन्हें अमेरिका स्थित विश्व रिकॉर्ड संस्था द्वारा नए रिकॉर्ड दावों के मूल्यांकन के लिए आधिकारिक अंतरराष्ट्रीय जज के रूप में भी जिम्मेदारी सौंपी गई है।

माँ महामाया के चरणों में रखेंगे मेडल : लाल जी ने बताया कि अमेरिका से भेजा गया उनका आधिकारिक मेडल और सम्मान पत्र उन्हें प्राप्त होने वाला है। उन्होंने घोषणा की कि यह सम्मान वे अंबिकापुर की आराध्य देवी माँ महामाया के चरणों में समर्पित करेंगे। उनके अनुसार यह उपलब्धि व्यक्तिगत नहीं, बल्कि पूरे सरगुजा अंचल की पहचान और गौरव से जुड़ी है। उन्होंने अपनी सफलता में सहयोग देने वाले वसुंधरा बिल्डर्स के डायरेक्टर के.एन. सिंह का विशेष आभार व्यक्त किया और कहा कि उनके सहयोग और प्रोत्साहन ने उन्हें आगे बढ़ने की प्रेरणा दी।

अब वैश्विक मंचों पर नजर : राष्ट्रीय सम्मान के बाद लाल जी ने अपनी अगली योजना का भी खुलासा किया। उन्होंने कहा कि उनका लक्ष्य अब इंडियाज़ गॉट टैलेंट और अमेरिकाज़ गॉट टैलेंट जैसे अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचना है। उनका मानना है कि भारत की पारंपरिक साधना और विशिष्ट कलाओं को वैश्विक मंच पर पहचान मिलनी चाहिए।

लोगों से की सहभागिता की अपील : लाल जी ने अंबिकापुर एवं सरगुजा अंचल के लोगों, माताओं-बहनों और सामाजिक संगठनों से अपील की है कि जब वे माँ महामाया मंदिर में सम्मान समर्पित करने पहुंचें, तब अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर इस गौरवपूर्ण क्षण के साक्षी बनें। कार्यक्रम की तिथि जल्द घोषित की जाएगी।

मोबाइल दुकान में लाखों की चोरी,पुलिस जांच में जुटी

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
ग्राम पंचायत अजबनगर में बुधवार रात अज्ञात चोरों ने एक मोबाइल दुकान का ताला तोड़कर लाखों रुपए के सामान और नकदी पर हाथ साफ कर दिया। घटना की सूचना मिलने के बाद जयनगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार अजबनगर निवासी विक्रम दास राष्ट्रीय राजमार्ग-43 किनारे 'विक्रम मोबाइल' नाम से दुकान संचालित करता है। बुधवार रात अज्ञात चोरों ने दुकान के शटर का ताला तोड़कर भीतर प्रवेश किया और चोरी की वारदात को अंजाम दिया। गुरुवार सुबह मकान मालिक प्रदीप विश्वास ने दुकान का आधा खुला शटर देखा तो उसे चोरी की

आशंका हुई। उन्होंने तत्काल दुकान संचालक को सूचना दी। मौके पर पहुंचकर जांच करने पर पता चला कि चोर दुकान में रखा एक लैपटॉप, बिक्री के लिए रखे तीन मोबाइल, रिपेयरिंग के लिए आए चार मोबाइल, गल्ले में रखे करीब चार हजार रुपए नकद, चार्जर तथा अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामान चोरी कर ले गए हैं। सूचना मिलते ही जयनगर पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि चोरों ने वारदात से पहले इलाके की रेकी की थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालना शुरू कर दिया है। साथ ही क्षेत्र के संदिग्ध व्यक्तियों से भी पूछताछ की जा रही है।

राधा-कृष्ण मंदिर में श्रद्धापूर्वक मनाया गया दुलदुलिया व्रत, जगत कल्याण की कामना

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
राजघराने की माय साहेब द्वारा निर्मित ऐतिहासिक राधा-कृष्ण मंदिर प्रांगण में गुरुवार को जेठ कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि (कमला एकादशी) के अवसर पर श्रद्धा एवं भक्ति के साथ दुलदुलिया व्रत का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालु महिलाओं ने माँ शक्ति की उपासना करते हुए विधि-विधान से पूजा-अर्चना की तथा हरि कथा का श्रवण किया। धार्मिक आयोजन में राधा-कृष्ण मंदिर मंडली की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी-अपनी मनोकामनाओं की पूर्ति के लिए प्रार्थना की। कार्यक्रम में श्रीमती मालती तोमर, पुष्पा अग्रवाल, सविता जायसवाल, संतोष अग्रवाल, अनु पांडे, गीता पटनायक, कल्पना शर्मा, राजकुमारी अग्रवाल, दुलारी अग्रवाल, जामवंती सिंह, शक्ति गुप्ता एवं पुष्पा बहनों सहित अन्य श्रद्धालु उपस्थित रहे। व्रत एवं पूजा के दौरान महिलाओं ने अपने परिवार, संबंधियों और मित्रों के सुख, समृद्धि एवं उत्तम स्वास्थ्य की कामना की। साथ ही समाज में शांति, सद्भाव और समस्त मानव जाति के कल्याण हेतु प्रार्थना की गई। मंदिर परिसर में पूरे समय भक्ति और श्रद्धा का वातावरण बना रहा। हरि कथा, भजन-कीर्तन एवं सामूहिक पूजा-अर्चना से श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। आयोजन के अंत में सभी ने जगत कल्याण एवं लोकमंगल की कामना करते हुए प्रसाद ग्रहण किया।

26 वर्षीय महिला दो बच्चों सहित हुई लापता परिजन परेशान

-संवाददाता-
लखनपुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।

गुमगरा निवासी संगीता यादव पति बाबूलाल यादव 20 मई 2026 को वे अपने दो बच्चों के साथ मायके गई थीं। 27 मई को शाम करीब 3:30 बजे संगीता यादव की माँ ने रिंग रोड महामाया पेट्रोल पंप के पास ऑटो आटो मे बैठा दिया ताकि वे अपने ससुराल पहुंच सकें। लेकिन संगीता अपने ससुराल तक नहीं पहुंचीं। परिजनों ने काफी खोजबीन की, लेकिन कोई जानकारी नहीं मिला। अंत में 29 मई 2026 को जीरा बाई ने थाना अंबिकापुर में रिपोर्ट दर्ज कराया गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

विद्याचरण शुक्ल,रामप्रसाद बिस्मिल और राजेश पायलट को कांग्रेसजनों ने दी श्रद्धांजलि

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
जिला कांग्रेस कमेटी सरगुजा द्वारा गुरुवार को राजीव भवन स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्व. विद्याचरण शुक्ल की 13वीं पुण्यतिथि, महान क्रांतिकारी अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती तथा पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने स्व. विद्याचरण शुक्ल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर वक्ताओं ने उनके राजनीतिक जीवन और छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2013 में झीरम घाटी नक्सली हमले में गंभीर रूप से घायल होने के बाद 11 जून 2013 को उनका निधन हो गया था। सभा को संबोधित करते हुए जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष बालकृष्ण पाठक ने कहा कि स्व. विद्याचरण शुक्ल का राजनीतिक जीवन कार्यकर्ताओं और आम लोगों के प्रति समर्पण का उदाहरण था। उन्होंने कहा कि विद्या भैया अपनी सहज उपलब्धता

और लोगों की निस्वार्थ सहायता के लिए जाने जाते थे तथा आज भी कार्यकर्ताओं के दिलों में उनकी विशेष जगह है। इस अवसर पर अमर शहीद रामप्रसाद बिस्मिल की जयंती पर भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। वक्ताओं ने उनके स्वतंत्रता संग्राम में योगदान को याद करते हुए कहा कि 'सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है' जैसे क्रांतिकारी उद्बोधन आज भी युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। काकोरी कांड के महानायक रामप्रसाद बिस्मिल को अंग्रेजी हुकूमत ने वर्ष 1927 में फांसी दी थी। कार्यक्रम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. राजेश पायलट को भी उनकी 26वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित किए गए। वक्ताओं ने उनके राजनीतिक योगदान को याद करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय वायुसेना की नौकरी छोड़कर सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया और छह बार सांसद चुने गए। वर्ष 2000 में एक सड़क दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। श्रद्धांजलि सभा का संचालन पूर्व ब्लॉक अध्यक्ष हेमंत सिन्हा ने किया।

कार्यक्रम को मो. इस्लाम, दुर्गेश गुप्ता, मदन जायसवाल, लोकेश कुमार और रजनीश सिंह ने भी संबोधित किया। कार्यक्रम में इंद्रजीत सिंह धंजल, एपी सांडिल्य, संजय सिंह, जमील खान, प्रमोद चौधरी, मो. हसन, लुकस एक्का, बल्केश्वर तिर्की, निकी खान, अमित सिंह, विकास केशरी, शिवराज सिंह, लखन मरावी, केदार यादव, वीरेंद्र सिन्हा, बिखन राम, शोभनाथ गुप्ता सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रभारी बीएमओ पर यात्रा भत्ता में वित्तीय अनियमितता का आरोप,जांच की मांग

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
छत्तीसगढ़ प्रदेश स्वास्थ्य कर्मचारी संघ की अंबिकापुर ब्लॉक इकाई ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) दरिमा के प्रभारी खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. राहुल कुशवाहा के खिलाफ यात्रा भत्ता (टीए) के भुगतान में कथित वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाते हुए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को शिकायत पत्र सौंपा है। संघ द्वारा 3 जून 2026 को दिए गए पत्र में आरोप लगाया गया है कि प्रभारी बीएमओ ने शासन के नियमों एवं वित्तीय प्रावधानों का पालन किए बिना स्वयं के यात्रा भत्ता बिलों का आहरण किया है। शिकायत में कहा गया है कि जिन यात्राओं के लिए भुगतान लिया गया, उनके संबंध में आवश्यक शासकीय अनुमति प्राप्त नहीं की गई थी। साथ ही, अपनी निजी कार के दस्तावेजों के आधार पर यात्रा भत्ता निकालने का भी आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि यदि बिना अनुमति यात्रा भत्ता का भुगतान लिया गया है, तो यह वित्तीय अनियमितता की श्रेणी में आता है। उनका यह भी कहना है कि ऐसी स्थिति में अन्य वित्तीय गड़बडिय़ों की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। स्वास्थ्य कर्मचारी संघ ने सीएमएचओ से मांग की है कि वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के दौरान आहरित सभी यात्रा भत्ता दावों, स्वीकृति आदेशों, भ्रमण विवरण एवं भुगतान अभिलेखों की जिला स्तरीय जांच कराई जाए। यदि जांच में नियमों के विपरीत भुगतान की पुष्टि होती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए।

पॉक्सो प्रकरण में आरोपी गिरफ्तार,शादी का झांसा देकर नाबालिग से दुष्कर्म का आरोप

-संवाददाता-
अंबिकापुर/लखनपुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
सरगुजा पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के एक गंभीर प्रकरण में त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है। आरोपी पर नाबालिग पीड़िता को शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप है। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, डीआईजी एवं एसएसपी राजेश अग्रवाल के निर्देशन में जिले के विभिन्न थानों में दर्ज मामलों के आरोपियों की धरपकड़ अभियान लगातार चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थाना लखनपुर पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज प्रकरण में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में पीड़िता द्वारा थाना लखनपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी कि अमन खाण्डेकर (24 वर्ष), निवासी डांडगांव, थाना उदयपुर, जिला सरगुजा ने 10 मार्च 2026 एवं 8 अप्रैल 2026 को शादी करने का झांसा देकर उसके साथ जबरन शारीरिक संबंध बनाए। बाद में आरोपी द्वारा शादी से इनकार करने पर पीड़िता ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर थाना लखनपुर में अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी अमन खाण्डेकर को

हिरासत में लेकर पूछताछ की, जिसमें उसने अपना अपराध स्वीकार किया। पर्याप्त साक्ष्य मिलने के बाद पुलिस ने आरोपी को विधिवत गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया, जहां से उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी उपनिरीक्षक सम्पत पोटाई, प्रधान आरक्षक सतीश सिंह, पिताम्बर सिंह, आरक्षक दशरथ राजवाड़े तथा महिला आरक्षक अमरावती राजवाड़े की महत्वपूर्ण भूमिका रही।पुलिस ने बताया कि महिलाओं एवं बच्चों के विरुद्ध अपराधों के मामलों में सख्त कार्रवाई जारी रहेगी तथा ऐसे मामलों में किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा।

कलेक्टर ली विद्युत विभाग की बैठक,बारिश के मौसम में निर्बाध बिजली करें आपूर्ति,शिकायतों का करें त्वरित निराकरण : कलेक्टर वसंत

-संवाददाता-
अम्बिकापुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।
कलेक्टर श्री अजीत वसंत ने गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में विद्युत विभाग की समीक्षा बैठक लेकर जिले में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था, विभागीय योजनाओं एवं निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को बारिश के मौसम को देखते हुए जिले में निर्बाध एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने तथा मैदानी अमले को सतर्क एवं मुस्तैद रखने के निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर श्री वसंत ने विद्युत संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण, ट्रांसफार्मरों के रखरखाव, ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में बिजली आपूर्ति की स्थिति तथा विभिन्न विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन की

समीक्षा की। उन्होंने कहा कि आम नागरिकों को बिजली संबंधी समस्याओं का सामना न करना पड़े, इसके लिए शिकायत प्राप्त होते ही समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वर्षा ऋतु के दौरान विद्युत लाइनों एवं उपकरणों का नियमित निरीक्षण किया जाए तथा आवश्यक मरम्मत कार्यों को प्राथमिकता से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि जनता की शिकायतों पर त्वरित प्रतिक्रिया देते हुए फोन रिसीव करें और समस्याओं का शीघ्र निराकरण करें। जिन क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति संबंधी समस्याएं अधिक आती हैं, वहां मैदानी अमले को विशेष रूप से सतर्क रखा जाए ताकि शिकायतों का समय पर समाधान हो सके।

उन्होंने बिजली बिल अधिकता संबंधी शिकायतों का परीक्षण कर प्राथमिकता से निराकरण करने तथा सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त मांगों एवं शिकायतों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए।

CMYK

सादगी की ब्रेजा गई,लग्जरी इनोवा आई...क्या सुशासन भी रास्ते में कहीं छूट गया?

कलेक्टर बदले,गाड़ी बदली,सवाल नहीं बदले! एमसीबी में सुशासन का नया मॉडल,पहले इनोवा,फिर इम्तिहान

ब्रेजा से इनोवा तक का सफर,सरकारी खर्च बढ़ा या प्रशासनिक गरिमा? एक कलेक्टर सादगी से पहचान बना गया,दूसरे दौर में गाड़ी चर्चा बन गई...

पूर्व कलेक्टर राहुल वेंकट की सादगी और वर्तमान व्यवस्था की लग्जरी गाड़ी के बीच जनता कर रही तुलना,सरकारी खर्च और प्राथमिकताओं पर उठ रहे सवाल

- सादगी की मिसाल से सुविधा के कमाल तक,एमसीबी में बदलती प्रशासनिक तस्वीर
- ब्रेजा में चलता था सुशासन,इनोवा में चल रहे हैं सवाल!
- जनता के लिए मितव्ययिता,अफसरों के लिए लग्जरी व्यवस्था?
- एक तरफ पूर्व कलेक्टर राहुल वेंकट की सादगी की मिसाल, दूसरी तरफ नई कलेक्टर संतान देवी जांगड़े के लिए लग्जरी इनोवा की चर्चा
- नियुक्ति विवाद, सरकारी खर्च और वीआईपी संस्कृति पर फिर उठे सवाल,जनता पूछ रही—क्या सुशासन का रास्ता अब इनोवा से होकर गुजरता है?

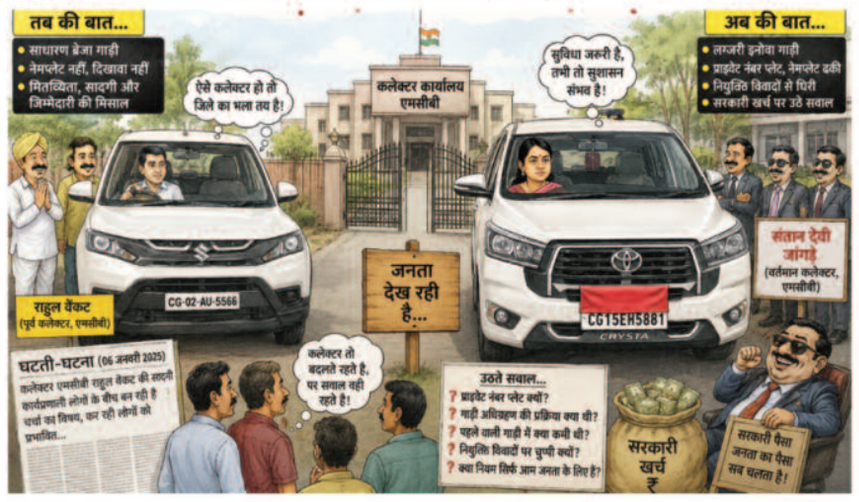

-रवि सिंह-

एमसीबी,11 जून 2026 (घटती-घटना)।

एमसीबी जिले में इन दिनों विकास कार्यों से ज्यादा चर्चा एक गाड़ी की हो रही है, यह कोई सामान्य गाड़ी नहीं है, बल्कि वह गाड़ी है जिसने जिले के प्रशासनिक गलियारों से लेकर चाय की दुकानों तक बहस छेड़ दी है, बहस केवल इनोवा की नहीं है, बहस उस सोच की है जो सरकारी पद,सरकारी धन और सरकारी सादगी के बीच कहीं रास्ता भटकती नजर आ रही है। विडंबना देखिए, यह वही एमसीबी जिला है जहां कुछ माह पहले तक तत्कालीन कलेक्टर राहुल वेंकट को उनकी सादगी के लिए पूरे प्रदेश में उदाहरण के रूप में पेश किया जाता था, अखबारों में उनकी तस्वीरें छपती थीं, खबरें लिखी जाती थीं कि जिले का कलेक्टर साधारण गाड़ी में चलता है,गाड़ी के आगे कोई नेमप्लेट नहीं लगाता,किसी तरह का रुतबा नहीं दिखाता और सरकारी संसाधनों का उपयोग उतना ही करता है जितनी आवश्यकता हो,उस समय लोग कहा करते थे कि यदि प्रशासनिक सेवा का कोई वास्तविक चेहरा है तो वह ऐसा होना चाहिए, जहां पद बड़ा हो,लेकिन व्यवहार सामान्य हो, जहां अधिकार हों, लेकिन अहंकार न हो, जहां सरकारी खजाना निजी सुविधा का साधन न बने,लेकिन समय बदला, कलेक्टर बदले और चर्चा का विषय भी बदल गया,आज जिले में नई कलेक्टर संतान देवी जांगड़े के कार्यकाल की शुरुआत के साथ एक नई बहस शुरू हो गई है,बहस उनके प्रशासनिक दौरों की नहीं, बल्कि उनके लिए उपलब्ध कराई गई लग्जरी इनोवा की है,वही जिला,वही सरकारी व्यवस्था और वही जनता, लेकिन अब सवाल यह उठ रहा है कि आखिर वह कौन-सी मजबूरी थी जिसने साधारण ब्रेजा को किनारे कर इनोवा को प्रशासनिक आवश्यकता बना दिया?

जब सादगी खबर बनती थी...

जनवरी 2025 में प्रकाशित समाचारों में राहुल वेंकट की कार्यशैली को लेकर विस्तार से लिखा गया था, कहा गया कि सरगुजा संभाग के अधिकांश कलेक्टर जहां इनोवा जैसी बड़ी गाड़ियों में चलते हैं, वहीं एमसीबी कलेक्टर साधारण वाहन में सफर करते हैं, उनकी गाड़ी पर कोई बड़ा बोर्ड नहीं होता था, कई बार लोग पहचान भी नहीं पाते थे कि जिले का कलेक्टर इसी वाहन में बैठा है, यह उस दौर की बात थी जब प्रशासनिक सादगी को उपलब्धि माना जाता था,उनके अधीनस्थ कई अधिकारी उनसे अधिक महंगी गाड़ियों में कार्यालय पहुंचते थे,कुछ अधिकारियों की गाड़ियों पर इतने बड़े-बड़े पदनाम लिखे होते थे कि दूर से देखने वाला समझ जाए कि कोई बड़ा अफसर गुजर रहा है,लेकिन जिले का मुखिया इन सबसे दूर रहता था,उस समय यह संदेश गया था कि सरकारी सेवा दिखावे का मंच नहीं बल्कि जिम्मेदारी का पद है।

नियुक्ति विवाद की परछाई भी पीछा नहीं छोड़ रही–गाड़ी की चर्चा केवल इसलिए बड़ी नहीं हुई क्योंकि वह इनोवा है, चर्चा इसलिए भी बढ़ी क्योंकि इसके साथ नियुक्ति विवाद की पुरानी छाया जुड़ गई, छत्तीसगढ़ का बहुचर्चित 2003 पीएससी चयन विवाद आज भी राजनीतिक और प्रशासनिक चर्चाओं का हिस्सा बना हुआ है, वर्षों तक अदालतों में चले इस मामले ने प्रदेश की प्रशासनिक व्यवस्था की विश्वसनीयता पर गंभीर सवाल खड़े किए थे, आलोचकों का आरोप है कि जिन नियुक्तियों पर प्रश्न उठे,उनमें शामिल कई अधिकारी आज भी महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं,यहीं से जनता का सवाल शुरू होता है,यदि किसी सामान्य कर्मचारी पर विभागीय जांच बैठ जाए तो उसका प्रमोशन रुक जाता है, यदि किसी शिक्षक पर आरोप लग जाए तो उसे निलंबित कर दिया जाता है,यदि किसी पटवारी पर शिकायत आ जाए तो जांच शुरू हो जाती है,लेकिन जब सवाल बड़े अधिकारियों पर हो तो नियमों की रफ्तार अचानक धीमी क्यों पड़ जाती है? यही वह प्रश्न है जिसका उत्तर जनता वर्षों से खोज रही है।

सुशासन का पोस्टर और जमीन की हकीकत–नई कलेक्टर लगातार क्षेत्रीय दौरे कर रही हैं, गांवों तक पहुंच रही हैं, योजनाओं की समीक्षा कर रही हैं,अधिकारियों की बैठकें ले रही हैं,इन सब गतिविधियों को प्रशासनिक सक्रियता कहा जा सकता है, लेकिन लोकतंत्र में केवल सक्रियता पर्याप्त नहीं होती, जनता यह भी देखती है कि जो अधिकारी पारदर्शिता की बात कर रहा है, क्या उसके अपने निर्णय भी पारदर्शी हैं? जो अधिकारी मितव्ययिता का संदेश देता है,क्या वह स्वयं उसका पालन कर रहा है? जो अधिकारी जवाबदेही की बात करता है,क्या वह स्वयं सवालों का उत्तर देने को तैयार है? यही वह कसौटी है जिस पर किसी भी प्रशासनिक नेतृत्व का मूल्यांकन होता है।

ब्रेजा बनाम इनोवा,केवल गाड़ी नहीं,दो विचारधाराएं–आज एमसीबी में असल मुकाबला दो गाड़ियों का नहीं है,यह मुकाबला दो प्रशासनिक सोच का है,एक सोच कहती है कि सरकारी पद का मतलब जिम्मेदारी है, दूसरी सोच पर सवाल उठ रहे हैं कि कहीं सरकारी पद सुविधाओं का विस्तार तो नहीं बनता जा रहा,ब्रेजा और इनोवा यहां प्रतीक मात्र हैं,एक प्रतीक सादगी का, दूसरा प्रतीक सुविधा का,जनता अब इन दोनों प्रतीकों के बीच तुलना कर रही है।

छोटे अधिकारी बड़े साहब और बड़े साहब छोटे अधिकारी– राहुल वेंकट के समय एक बात अक्सर कही जाती थी कि जिले के कई छोटे अधिकारी उनसे ज्यादा रुतबा दिखाते थे,किसी की गाड़ी पर विशाल नेमप्लेट,किसी के आगे-पीछे दर्जनों परिचय पत्र, किसी की गाड़ी देखकर लगता था मानो पूरा विभाग उसी के भरोसे चल रहा हो, लेकिन जिले का कलेक्टर साधारण वाहन में चलता था,आज वही लोग तंज कस रहे हैं कि शायद सादगी की वह परंपरा भी विदा हो गई,अब प्रशासनिक व्यवस्था फिर उसी पुराने ढर्रे पर लौटती दिखाई दे रही है जहां गाड़ी का मॉडल कभी-कभी कार्यशैली से ज्यादा चर्चा बटोर लेता है।

जनता का सबसे बड़ा सवाल– जनता किसी अधिकारी से यह अपेक्षा नहीं करती कि वह कठिन परिस्थितियों में रहे, न ही कोई यह कहता है कि कलेक्टर को साइकिल से चलना चाहिए,सवाल केवल इतना है कि जब सरकारी संसाधन पहले से उपलब्ध हैं तो अतिरिक्त खर्च क्यों? जब जनता से मितव्ययिता की अपेक्षा की जाती है तो प्रशासन स्वयं उसका उदाहरण क्यों नहीं बनता? और जब किसी अधिकारी का अतीत पहले से विवादों में रहा हो तो क्या उसे सार्वजनिक जीवन में और अधिक सावधानी नहीं बरतनी चाहिए?

गाड़ी बदलने से ज्यादा संदेश बदल गया– एमसीबी में असली बहस इनोवा की कीमत नहीं है, बहस उस संदेश की है जो जनता तक पहुंच रहा है,एक समय यही जिला सादगी की मिसाल देकर पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बना था,आज वही जिला लग्जरी वाहन और प्रशासनिक प्राथमिकताओं को लेकर चर्चा में है,हो सकता है नई कलेक्टर आने वाले समय में अपने काम से सभी आलोचनाओं को पीछे छोड़ दें,हो सकता है उनके प्रशासनिक निर्णय जिले को नई दिशा दें। लेकिन फिलहाल जनता की नजर काम से पहले उस प्रतीक पर टिक गई है जो प्रशासन की मानसिकता का आईना माना जाता है, और यही कारण है कि एमसीबी की चौपालों, बाजारों और दफ्तरों में एक वाक्य बार-बार सुनाई दे रहा है पहले कलेक्टर की पहचान उनके काम और सादगी से होती थी, अब चर्चा गाड़ी से शुरू हो रही है, क्योंकि लोकतंत्र में जनता सब देखती है, वह सड़क भी देखती है, फाइल भी देखती है, फैसला भी देखती है और गाड़ी भी, और जब जनता सवाल पूछने लगती है, तब समझ लेना चाहिए कि चर्चा केवल वाहन की नहीं, व्यवस्था की हो रही है।

अस्वीकरण : नियुक्ति संबंधी उल्लेख सार्वजनिक रूप से चर्चित न्यायिक मामलों एवं आरोपों के संदर्भ में हैं, किसी सक्षम न्यायालय का अंतिम निर्णय आने तक किसी भी व्यक्ति को दोषी मानना उचित नहीं है।

और अब चर्चा में है इनोवा-

आज स्थिति बिल्कुल उलट दिखाई देती है, नई कलेक्टर के आने के बाद जिले में चर्चा इस बात की है कि उनके लिए लग्जरी इनोवा की व्यवस्था की गई है, लोगों का कहना है कि पहले जो वाहन पर्याप्त था, वह अचानक अनुपयुक्त कैसे हो गया? क्या जिले की सड़कें इतनी खराब हो गई कि ब्रेजा चलना बंद हो गई? क्या प्रशासनिक जिम्मेदारियां इतनी बढ़ गईं कि साधारण वाहन उन्हें संभाल नहीं सकता? या फिर सरकारी व्यवस्था में सुविधा का स्तर बदल गया? यही सवाल अब गांवों से लेकर शहर तक सुनाई दे रहा है।

सरकार मितव्ययिता सिखाए और अफसर विलासिता अपनाएं?-

देश में जब भी वित्तीय संकट, बजट नियंत्रण या खर्च कम करने की बात होती है तो सबसे पहले कर्मचारियों और विभागों को निर्देश जारी होते हैं, बिजली बचाओ, पानी बचाओ, डीजल बचाओ, अनावश्यक खर्च रोकिए, लेकिन जब जनता प्रशासन के शीर्ष पदों की ओर देखती है तो उसे अक्सर अलग तस्वीर दिखाई देती है, एमसीबी में भी लोग यही पूछ रहे हैं कि यदि सरकार पहले से वाहन उपलब्ध करा चुकी थी तो दूसरी गाड़ी की आवश्यकता क्यों पड़ी? सरकारी धन आखिर किसलिए खर्च किया जा रहा है? यदि अतिरिक्त वाहन अधिग्रहित किया गया है तो उसका भुगतान कौन करेगा? और यदि वाहन निजी है तो उसकी वैधानिक स्थिति क्या है? इन सवालों का जवाब आज तक सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आया है।

सवाल गाड़ी का नहीं, सोच का है...
सुशासन का रास्ता दिखावे से नहीं, जिम्मेदारी से जाता है!

कार्यालय नोडल अधिकारी/प्राचार्य
एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय जिला सूरजपुर छ0ग0
Email Id- emrsppur@gmail.com ph:- 7000108573

क्रमांक/0699/भण्डार/ए0आ0आ0वि0/2026-27
प्रतापपुर,दिनाँक 05/06/2026

-: निविदा सूचना :-

जिला सूरजपुर संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर विकाखण्ड भैयाथान, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय ओड़गी विकासखण्ड ओड़गी, एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रेमनगर विकासखण्ड प्रेमनगर तथा एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय प्रतापपुर विकासखण्ड प्रतापपुर जिला सूरजपुर में वर्ष 2026-27 (जुलाई 2026 से मई 2027 तक) हेतु पंजीकृत व्यापारियों से सरल क्र. 01 से 06 तक विद्यालयवार मोहर बंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं।

क्र.	वस्तु का नाम	प्रतिभूति राशि
1.	सब्जी तथा फल	20000/-
2.	अण्डा व चिकन	10000/-
3.	बेकरी एवं स्वीट्स	10000/-
4.	दूध	10000/-
5.	खाद्य सामग्री	30000/-
6.	दैनिक उपयोगी सामग्री	15000/-

महत्वपूर्ण तिथियाँ

1. निविदा बिक्री की अंतिम तिथि : 23.06.2026 समय अपराह्न 4:00 बजे तक ।
2. निविदा बिक्री स्थान : संबंधित विद्यालयों में।
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि : 07.07.2026 समय 4 बजे तक।
4. निविदा फार्म जमा स्थान : एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर ।
5. निविदा खोलने की तिथि : 08.07.2026 समय 11:30 बजे स्थान-एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय शिवप्रसादनगर जिला सूरजपुर (छ0ग0)

नोडल अधिकारी/प्राचार्य
एकलव्य आदर्श आवासीय
विद्यालय प्रतापपुर जिला सूरजपुर

जी0नं0 -262701296/4

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै मनोज (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री शंकर पैंकरा गाँव/शहर ग्राम तराजू,पो0 जमगला तहसील-लखनपुर, जिला-सरगुजा, छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम बिपिन सिंह (पुराना नाम) से बदल विपिन कुमार (नया नाम) रख लिया है।

पालक
मनोज
तराजू,पो0 जमगला तहसील-लखनपुर, जिला-सरगुजा, छत्तीसगढ़

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
विविध इंजीनियरिंग कार्य हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई–निविदा संख्या: डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–91–26–27, दिनांक 05.06.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र में आने वाले (i) रूपोंद गुड्स शेड में गैल्वैल्यूम शीट स्प्रिंकलर और अन्य संबंधित विविध कार्यों की व्यवस्था और (ii) बीरसिंहपुर, झलवारा, चंदिया रोड, नागपुर रोड (NPRD), लोढ़ा, नौरोजाबाद, उदलकछार और विलायत कलाँ रोड रेलवे स्टेशनों का सॉफ्ट अपग्रेडेशन कार्य।
निविदा मूल्य: ₹ 22,04,16,457.63/-। अमानत राशि: ₹ 44,08,300.00/-। कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

कम सं (2): ई–निविदा संख्या: डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–92–26–27, दिनांक 05.06.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र में, RDSO से मंजूर टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल करके मौजूदा CMS क्रॉसिंग की साइट पर ही मरम्मत (रीकंडीशनिंग) कार्य।
निविदा मूल्य: ₹ 70,68,444.68/-। अमानत राशि: ₹ 1,41,400.00/-। कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

कम सं (3): ई–निविदा संख्या: डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–93–26–27, दिनांक 05.06.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र में 1–वीम स्लीपरों में सेल्फ–लॉकिंग नट लगाने की व्यवस्था।
निविदा मूल्य: ₹ 1,61,17,872.00/-। अमानत राशि: ₹ 3,22,400.00/-। कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

कम सं (4): ई–निविदा संख्या: डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–94–26–27, दिनांक 05.06.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ मंडल अभियंता (उत्तर) के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले लेवल क्रॉसिंग पर रबर लगाकर सड़क की सतह को बेहतर बनाना।
निविदा मूल्य: ₹ 1,73,89,130.64/-। अमानत राशि: ₹ 3,47,800/-। कार्य पूर्णता की अवधि: 12 माह।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथि: दिनांक **16/06/2026** से । **निविदा जमा करने की अंतिम तिथि:** दिनांक **30/06/2026** के **11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

मंडल रेलवे प्रबंधक (अभि.)
सीपीआर/10/190द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail
R.O.N.-142750

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने मनाई स्व. विद्याचरण शुक्ल की 13वीं पुण्यतिथि

-संवाददाता-

लखनपुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)।

लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विद्याचरण शुक्ल की 13वीं पुण्यतिथि गुरुवार को लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में धूमधाम से मनाई। कार्यक्रम में स्व. शुक्ल के छत्तीसगढ़ और देश की राजनीति में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व, विकास कार्यों और राजनीतिक योगदान की सराहना की।

झीरम घाटी हमले की जांच की मांग : कार्यक्रम के दौरान कई नेताओं ने 25 मई 2013 को झीरम घाटी नक्सली हमले में स्व. विद्याचरण शुक्ल के घायल होने और 11 जून 2013 को गुड़गांव के मेदांता अस्पताल में उनके निधन की घटना को याद किया। उन्होंने हमले की निष्पक्ष जांच और दोषियों को सजा दिलाने की मांग दोहराई। विद्याचरण शुक्ल 1957 से 2013 तक लगातार संसद सदस्य रहे। इंदिरा गांधी और पी.वी. नरसिम्हा राव के मंत्रिमंडल में उन्होंने सूचना एवं प्रसारण, संसदीय कार्य तथा सिंचाई जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय संभाले थे।

प्रमुख रूप से उपस्थित रहे : कार्यक्रम में सभी ने स्व. विद्याचरण शुक्ल के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की और उनके आदर्शों पर चलने का संकल्प लिया।र ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री और छत्तीसगढ़ कांग्रेस के वरिष्ठ नेता स्वर्गीय विद्याचरण शुक्ल की 13वीं पुण्यतिथि गुरुवार को लखनपुर ब्लॉक कांग्रेस कार्यालय में मनाया गया। कार्यक्रम में स्व. शुक्ल के छत्तीसगढ़ और देश की राजनीति में दिए गए योगदान को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने उनके दूरदर्शी नेतृत्व, विकास कार्यों और राजनीतिक योगदान की सराहना की।

नाम परिवर्तन सूचना

प्ररूप-(एक)

मै दीपक दुबे (माता/पिता/पालक का नाम) सुपुत्र/सुपुत्री विश्वदे दुबे गाँव/शहर बंसीपुर तहसील-प्रतापपुर जिला - सूरजपुर,छत्तीसगढ़ राज्य ने अपने नाबालिग सुपुत्र/सुपुत्री का नाम रूद्र कुमार दुबे (पुराना नाम) से बदल कर रूद्र दुबे (नया नाम) रख लिया है।

पालक
दीपक दुबे
बंसीपुर तहसील-प्रतापपुर जिला - सूरजपुर,छत्तीसगढ़

नाम सुधार सूचना

मै राकेश कुमार वर्मा पिता स्व. काशी राम वर्मा आयु-43 वर्ष, निवासी ग्राम राजपुर थाना व तहसील राजपुर जिला-बलरामपुर छ0ग0 ।

यह कि मैने थल सेना में सिपाही के पद पर कार्यरत था, मेरा सर्विस बुक एवं मेरे समस्त रिकार्ड में मेरी पत्नि का नाम त्रुटि वश 12 रिंकी वर्मा RINKY VERMAअंकित हो गया है । जबकि मेरी पत्नि की आधार कार्ड एवं शैक्षणिक दस्तावेजो में वास्तविक नाम रिंकी वर्मा RINKI VERMA है। सत्य व सही है ।

मेरा त्रुटिनाम रिकी वर्मा RINKY VERMA कि/स्थान पर मेरा वास्तविक नाम रिंकी वर्मा RINKI VERMAअंकित किये जाने के यह शपथ पत्र प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथग्रहिता
राकेश कुमार वर्मा

न्यायालय नजूल अधिकारी अम्बिकापुर,जिला-सरगुजा,

रा.प्र.क्र./अ-20(3)/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक शम्भू जायसवाल आ0 संकटा जायसवाल, जाति कलार, निवासी करसी, तहसील प्रतापपुर,जिला सूरजपुर, छ0ग0 के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -02 मोहल्ला-सत्तीपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड क्रमांक 641/5 रकबा 0.01$^{3/4}$ एकड़ भूमि को अनावेदक/केता श्रीमती सुनीता गुप्ता पत्नी स्व0 महेश प्रसाद गुप्ता, निवासी नेहरूवार्ड सत्तीपारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा प्रतिलिपि, शपथ पत्र सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 22.06.2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेंगा ।

आज दिनांकः- 01.06.2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी ।

सील
नजूल अधिकारी ,अंबिकापुर

न्यायालय नायब तहसीलदार भैयाथान जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

रा.प्र.क्र. ब/121 वर्ष
ग्राम - प0ह0न0

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सत्यनारायण पैकरा पिता स्व0 हुलुग जाति कवंर निवासी ग्राम कुसमुसी प.ह.न. रा.नि.मं. भैयाथान तहसील भैयाथान जिला सूरजपुर (छ0ग0) द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के माँ नादौ का मृत्यु दिनांक 10/10/2003 को . ग्राम कुसमुसी में हुई है, ज्ञानतावश जन्म पंजीयन नहीं करा पाया है। आवेदक अपनी माँ नादौ का मृत्यु पंजीयन हेतु ग्राम पंचायत कुसमुसी को आदेशित करने आवेदन पेश किया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है।

अतः उक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से पेशी दिनांक 18/6/2026 तक अपना आपत्ति इस न्यायालय में पेश कर सकते हैं। नियत तिथी के बाद प्राप्त आपत्ति पर कोई विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/05/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील
कार्यपालिक दण्डाधिकारी
भैयाथान
जिला-सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार

क्रमांक/2216/वाचक-2/2025
सूरजपुर दिनांक 08/06/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी / नगरवासी ग्राम/नगर सूरजपुर पव्ह0नं0 तहसील सूरजपुर जिला - सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक राजेश अग्रवाल पिता स्व0 रामनिवास अग्रवाल जाति अग्रवाल निवासी ग्राम केतका रोड सूरजपुर पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सुरजपुर जिला सूरजपुर,छ0ग0 ने अपनें पिता स्व0 रामनिवास अग्रवाल पिता स्व0 रामनिवास अग्रवाल की मृत्यु तिथि 18/08/1997 स्थान केतका रोड सूरजपुर के जन्म/मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा ही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वंय अथवा अपनें अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 23/06/2026 दिन मंगलवार को उपस्थित होकर दावा /आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा /आपत्ति/आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 08/06/2025 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील
तहसीलदार
सूरजपुर,छ0ग0

न्यायालय तहसीलदार सूरजपुर जिला-सूरजपुर,छत्तीसगढ़

सार्वजनिक उद्घोषणा/ईश्तहार

क्रमांक/2223/वाचक-2/2026
सूरजपुर दिनांक 10/06/2026

सर्व साधारण ग्रामवासी /नगरवासी ग्राम/नगर बेलटिकरी पह0नं0... तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर को सूचित किया जाता है कि आवेदक शिवकुमारी पति धनेश्वर जाति गोंड निवासी ग्राम बेलटिकरी पोस्ट सूरजपुर थाना सूरजपुर तहसील सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ0ग0) ने अपने माता - विफईया पति मध सिंह का मृत्यु तिथि 20/01/2001 मृत्यु स्थान बेलटिकरी के मृत्यु पत्र हेतु आवेदन पत्र इस न्यायालय में प्रस्तुत किया है, जिसमें कार्यवाही की जा रही है।

अतः इस न्यायालय में जिस व्यक्ति को कोई दावा/आपत्ति/आक्षेप हो तो वे स्वंय अथवा अपने अभिभावक द्वारा इस न्यायालय में दिनांक 25/06/2026 दिन गुरुवार को उपस्थित होकर दावा/आपत्ति/आक्षेप प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद में प्राप्त दावा /आपत्ति / आक्षेप पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

आज दिनांक 10/06/2026 को मेरे हस्ताक्षर व न्यायालय की मुहर से जारी किया गया ।

सील
तहसीलदार
सूरजपुर,छ0ग0

कॉपर पाइप चोरी का खुलासा या बरामदगी का रहस्य?

-रवि सिंह-

कोरिया, 11 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले में जिला एवं सत्र न्यायालय, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया,छत्तीसगढ़ राज्य ग्रामीण बैंक और एसईसीएल के साकेत सदन से एयर कंडीशनरों के कॉपर पाइप चोरी होने का मामला पहले ही चर्चा में था,लेकिन अब चोरी से ज्यादा चर्चा उस 'बरामदगी'की हो रही है जिसे पुलिस अपनी बड़ी उपलब्धि बताकर प्रेस कॉन्फ्रेंस में प्रस्तुत कर चुकी है।

कोरिया पुलिस ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर दावा किया कि उसने चार अलग-अलग चोरी के मामलों का खुलासा कर लिया है,पुलिस के अनुसार देवेन्द्र कुमार रजक उर्फ दीपू, एक अपचारी बालक तथा चोरी का सामान खरीदने वाले नासिर खान, जय सिंह और मोहम्मद गफ्फार के खिलाफ कार्रवाई की गई है,करीब 92 हजार रुपये मूल्य के 18 एसी कॉपर पाइप बरामद कर लिए गए हैं और शत-प्रतिशत माल की जब्ती भी कर ली गई है,प्रेस कॉन्फ्रेंस समाप्त हुई,फोटो जारी हुए,पुलिस ने सफलता का दावा किया और अधिकारियों-कर्मचारियों की पीठ थपथपाई गई, लेकिन तभी लोगों की नजर बरामद किए गए कॉपर पाइपों की तस्वीरों पर गई और यहीं से कहानी में नया मोड़ आ गया।

चोरी का माल था या दुकान का नया स्टॉक?

जिन पाइपों को पुलिस चोरी का माल बताकर प्रस्तुत कर रही थी,उनकी तस्वीरें देखने के बाद कई लोगों के मन में पहला सवाल यही उठा कि आखिर वर्षों से उपयोग में रहे एसी के कॉपर पाइप इतने चमकदार कैसे हो सकते हैं? तकनीकी जानकारी रखने वाले लोगों का कहना है कि किसी भी एयर कंडीशनर में लंबे समय तक लगे रहने वाले कॉपर पाइपों का रंग समय के साथ बदल जाता है,उन पर धूल, जंगनुमा ऑक्सीकरण और उपयोग के निशान दिखाई देते हैं, लेकिन पुलिस द्वारा दिखाए गए पाइप ऐसे दिखाई दे रहे थे मानो अभी-अभी किसी हार्डवेयर या एसी पार्ट्स की दुकान से खरीदे गए हों, बस फिर क्या था, थाने के सामने चाय की दुकानों तक एक ही चर्चा शुरू हो गई–ये चोरी के पाइप हैं या नई खरीदारी का माल?

घटती घटना

सरगुजा,सूरजपुर कोरिया समाचार

अम्बिकापुर मंगलवार 09 जून 2026

4

एयर कंडीशनर के कॉपर पाइप चोरी का खुलासा या अधूरी पटकथा?

देवेन्द्र रजक से लेकर कबाड़ी नेटवर्क तक,कोरिया पुलिस की कहानी पर उठ रहे सवाल...

कोरिया पुलिस की प्रेस कॉन्फ्रेंस के बाद उठे सवाल,आखिर असली कहानी क्या है?

जिला न्यायालय,बैंक और एसईसीएल तक पहुंचे चोर,लेकिन खुलासे के बाद भी जनता पूछ रही...असली खिलाड़ी कौन?

-रवि सिंह-

बैकुंठपुर,08 जून 2026 (घटती-घटना)।

बरामदगी कहां से हुई...यही सबसे बड़ा सवाल...

जिले में बढ़ रही चिंता...

देवेन्द्र रजक बना पूरी कहानी का नायक

चोरी की घटना से बड़ा बन गया खुलासे का विवाद...

विडंबना देखिए कि शुरुआत में चर्चा चोरी की थी,लोग पूछ रहे थे कि न्यायालय और बैंक तक चोर कैसे पहुंच गए,फिर चर्चा इस बात की हुई कि आरोपी कौन हैं,और अब पूरा फोकस इस बात पर आ गया है कि बरामदगी असली थी या प्रतीकात्मक,यानी जिस चोरी के खुलासे से पुलिस अपनी सफलता साबित करना चाहती थी,वही खुलासा अब खुद सवालों के घेरे में खड़ा दिखाई दे रहा है।

सीसीटीवी फुटेज से खुल सकता है पूरा राज...

पूरे मामले में सबसे महत्वपूर्ण कड़ी सीसीटीवी फुटेज साबित हो सकती है,स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि यदि वास्तव में 6 जून को दोपहर 3 बजे से 4 बजे के बीच पुराने बस स्टैंड क्षेत्र स्थित किसी दुकान से कॉपर पाइप खरीदे गए थे और उन्हें थाने तक ले जाया गया था,तो रास्ते में लगे सीसीटीवी कैमरों में इसकी तस्वीरें दर्ज हो सकती हैं,पुराने बस स्टैंड,आसपास की दुकानों,प्रमुख चौक–चौराहों और थाना परिसर में लगे कैमरों की फुटेज की निष्पक्ष जांच से यह स्पष्ट हो सकता है कि पुलिस द्वारा जब्त दिखाए गए पाइप वास्तव में चोरी के थे या फिर बाजार से खरीदे गए थे,यदि पुलिस का दावा सही है तो सीसीटीवी फुटेज उनकी कार्रवाई को मजबूत करेगी,वहीं यदि स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों में सच्चाई है तो वही फुटेज पूरे मामले का सबसे बड़ा खुलासा भी कर सकती है,यही कारण है कि अब लोगों की नजर जांच से ज्यादा सीसीटीवी कैमरों में कैद उन तस्वीरों पर टिकी हुई है, जो इस पूरे विवाद की सच्चाई सामने ला सकती हैं।

जनता मांग रही है पारदर्शिता, कहानी नहीं...

कोरिया जिले के लोगों का कहना है कि यदि पुलिस ने वास्तव में चोरी का पूरा माल बरामद किया है तो उसे विस्तार से सार्वजनिक किया जाए,कहां से बरामद हुआ? किसके कब्जे से मिला? क्या बरामद सामग्री का तकनीकी सत्यापन हुआ? क्या यह वही पाइप हैं जो संबंधित एसी से चोरी हुए थे? इन सवालों का जवाब देना किसी भी जांच एजेंसी की विश्वसनीयता के लिए जरूरी माना जाता है।

अंत में सबसे बड़ा सवाल...

कोरिया पुलिस कह रही है कि मामला सुलझ गया है,आरोपी गिरफ्तार हैं,माल बरामद है,प्रकरण का खुलासा हो चुका है,लेकिन जनता का एक वर्ग अभी भी पूछ रहा है क्या वास्तव में चोरी गया कॉपर पाइप बरामद हुआ था,या फिर बरामदगी की तस्वीरों में जो चमक दिखाई दे रही है,वही इस पूरी कहानी का सबसे बड़ा रहस्य है? जब तक इन सवालों का स्पष्ट और तथ्यात्मक जवाब सामने नहीं आता,तब तक यह मामला कॉपर पाइप चोरी से ज्यादा कॉपर पाइप बरामदगी रहस्य के नाम से याद किया जाएगा,और तब तक जिले में यह व्यंग्य चलता रहेगा कि चोर तो पकड़ लिया गया,लेकिन जनता अभी भी बरामदगी को पकड़ने की कोशिश कर रही है।

देवेन्द्र रजक ने चोरी कबूली,कहानी यहीं तक ठीक थी...

पुलिस की कहानी के अनुसार देवेन्द्र कुमार रजक उर्फ दीपू और एक अपचारी बालक ने चोरी की घटनाओं को अंजाम दिया था,पूछताछ में देवेन्द्र ने चोरी स्वीकार की और बताया कि उसने कॉपर पाइप अलग-अलग लोगों को बेच दिए,यहीं तक पुलिस की कहानी पर किसी को विशेष आपत्ति नहीं थी, चोरी हुई, आरोपी पकड़ा गया, आरोपी ने अपराध स्वीकार किया–यह जांच का सामान्य क्रम माना जा सकता है,लेकिन असली सवाल तब शुरू हुए जब बरामदगी की बारी आई।

पाइप कहां गए और बरामद क्या हुआ?

स्थानीय स्तर पर चर्चा है कि देवेन्द्र ने पूछताछ में जिन लोगों के नाम बताए,उनमें एक बर्तन व्यवसायी का नाम भी शामिल था,इसके अलावा मोहम्मद गफ्फार,नासिर खान और जय सिंह के नाम सामने आए,लोग पूछ रहे हैं कि यदि चोरी का सामान वास्तव में इन लोगों को बेचा गया था तो फिर बरामदगी उन्हीं स्थानों से क्यों नहीं दिखाई गई? यदि पाइप पिघला दिए गए थे तो पुलिस ने शत-प्रतिशत बरामदगी कैसे दिखा दी? यदि पाइप सुरक्षित थे तो बरामदगी की तस्वीरों और पंचनामे का पूरा विवरण सार्वजनिक क्यों नहीं किया गया? इन सवालों का कोई स्पष्ट उत्तर अब तक सामने नहीं आया है।

सूत्रों का दावा और बढ़ाता है संदेह...

मामले को लेकर चर्चा का सबसे बड़ा कारण कुछ स्थानीय सूत्रों द्वारा किए जा रहे दावे हैं, सूत्रों का कहना है कि कथित रूप से बरामद दिखाए गए पाइप बाजार से खरीदकर लाए गए थे ताकि जब्ती पूरी दिखाई जा सके,यह दावा कितना सही है और कितना गलत, इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन यदि ऐसा दावा सार्वजनिक रूप से फैल रहा है तो यह अपने आप में पुलिस की पारदर्शिता पर प्रश्नचिह्न खड़ा करता है,कहा जा रहा है कि 6 जून को पुराने बस स्टैंड क्षेत्र के पास स्थित एक दुकान से पाइप खरीदे गए और बाद में उन्हें बरामदगी का हिस्सा बनाया गया, यदि ऐसा नहीं हुआ तो पुलिस के पास इन आरोपों का खंडन करने का पूरा अवसर है, लेकिन जब तक स्पष्ट जवाब नहीं आता,चर्चा जारी रहेगी।

बर्तन व्यवसायी पर चुप्पी क्यों?

पूरे मामले में सबसे दिलचस्प सवाल उस कथित बर्तन व्यवसायी को लेकर उठ रहा है जिसका नाम स्थानीय चर्चाओं में बार-बार लिया जा रहा है,लोग पूछ रहे हैं कि यदि चोरी का सामान वहां बेचा गया था तो क्या उसके खिलाफ कोई कार्रवाई हुई? क्या उससे पूछताछ हुई? क्या उसके यहां से कोई जब्ती हुई? यदि नहीं हुई तो क्यों नहीं हुई? व्यंग्य में लोग कह रहे हैं कि शायद वह इस कहानी का ऐसा पात्र है जिसका नाम पटकथा में था लेकिन फिल्म रिलीज होने से पहले काट दिया गया।

नासिर खान और जय सिंह जेल,लेकिन सवाल बाकी...

मामले में एक बड़ा प्रश्न यह भी उठ रहा है कि यदि सभी कथित खरीददारों की भूमिका समान थी तो कार्रवाई अलग-अलग क्यों दिखाई दी? नासिर खान और जय सिंह को जेल भेजा गया, जबकि मोहम्मद गफ्फार को कथित रूप से अलग प्रक्रिया के तहत राहत मिली,वहीं स्थानीय चर्चाओं में एक बर्तन व्यवसायी का नाम भी सामने आ रहा है, लेकिन उसके संबंध में कोई स्पष्ट जानकारी सार्वजनिक नहीं हुई,इससे लोगों के बीच यह सवाल उठ रहा है कि क्या जांच में सभी संबंधित पक्षों के साथ समान व्यवहार किया गया या नहीं,लेकिन अब चर्चा यह है कि सभी खरीददारों के साथ कार्रवाई का स्वरूप एक जैसा क्यों नहीं दिखाई दिया? यदि सभी ने चोरी का माल खरीदा था तो फिर प्रक्रिया में अंतर क्यों दिखाई दिया? हालांकि इसका उत्तर केवल जांच एजेंसी और न्यायिक रिकॉर्ड ही दे सकते हैं, लेकिन जनता के बीच उठ रहे सवाल पुलिस के लिए असहज स्थिति जरूर पैदा कर रहे हैं।

डिस्क्लेमर-यह समाचार पुलिस प्रेस विज्ञप्ति,उपलब्ध दस्तावेजों,स्थानीय सूत्रों एवं जनचर्चाओं पर आधारित है,समाचार में व्यक्त आरोप,शंकाएं एवं दावे संबंधित पक्षों और सूत्रों के हैं,जिनकी स्वतंत्र पुष्टि होना शेष है,समाचार का उद्देश्य केवल जनहित में उठ रहे सवालों को सामने रखना है,किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पूर्व सक्षम जांच एवं न्यायालय के अंतिम निर्णय को ही मान्य माना जाए...

सजग कोरबा,सतर्क कोरबा अभियान के तहत चोरी की वारदात का खुलासा,दो आरोपी गिरफ्तार

-संवाददाता-

कोरबा,11 जून 2026 (घटती-घटना)। पुलिस अधीक्षक कोरबा सिद्धार्थ तिवारी के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक लखन पटले तथा नगर पुलिस अधीक्षक कोरबा प्रतीक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में संचालित सजग कोरबा, सतर्क कोरबा अभियान के तहत थाना कोतवाली पुलिस को चोरी के एक महत्वपूर्ण प्रकरण में सफलता प्राप्त हुई है। दिनांक 09.06.2026 को प्रार्थी विमल जाजोदिया निवासी पावर हाउस रोड,कोरबा द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी दुकान एशियन ट्रेडर्स में अज्ञात चोरों द्वारा पीछे से प्रवेश कर डायनेक्स कंपनी का इन्वर्टर,बिरला ओपस पेंट के डिब्बे,बॉश कंपनी की ड्रिल मशीन, ब्रेकर मशीन सहित अन्य सामान चोरी कर लिया गया है। रिपोर्ट पर थाना कोतवाली में अपराध क्रमांक 507/2026 धारा 331(4), 305 बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए मुखबिर सूचना के आधार पर मनीष यादव (19 वर्ष) एवं प्रकाश चौहान (19 वर्ष),दोनों निवासी लक्ष्मणबन तालाब, को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई। पूछताछ में आरोपियों द्वारा चोरी की घटना स्वीकार करते हुए चोरी गया मशरूका अपने कब्जे से बरामद कराया गया। पुलिस द्वारा आरोपियों के कब्जे से लगभग ?2.50 लाख मूल्य का चोरी गया संपूर्ण मशरूका (100 प्रतिशत रिकवरी) बरामद किया गया है। आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया। घटना के कुछ ही समय में आरोपियों की पहचान कर गिरफ्तारी एवं चोरी गए सामान की शत-प्रतिशत बरामदगी कोरबा पुलिस की सतर्कता, सक्रियता एवं अपराध नियंत्रण के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। उक्त कार्रवाई में नगर निरीक्षक एम.बी. पटेल के नेतृत्व में प्र.आर. 311 वासुदेव आदित्य, प्र.आर. 423 भूपेंद्र लहरे, आर. 685 चंद्रकांत गुप्ता, आर. 575 रामविलास,आर. 91 रमेंद्र वर्मन एवं आर. 725 चंद्रप्रकाश तंवर की महत्वपूर्ण एवं सराहनीय भूमिका रही।

अमानत में खयानत के दो मामलों में बड़ी सफलता

उत्तरप्रदेश और पंजाब में दबिश देकर दो फरार आरोपी गिरफ्तार,करोड़ों की संपत्ति पहले ही हो चुकी है जब्त...

-संवाददाता-

सूरजपुर,11 जून 2026 (घटती-घटना)। अमानत में खयानत के दो अलग-अलग मामलों में सूरजपुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है,पुलिस ने उत्तरप्रदेश के गाजीपुर और पंजाब के बरनाला में दबिश देकर दो फरार आरोपियों को गिरफ्तार किया है,दोनों मामलों में लाखों रुपये के सरिया और कोयले की हेराफेरी का आरोप है।

15 लाख से अधिक कीमत का सरिया किया था गायब

पहला मामला 14 जनवरी 2026 का है, जब ग्राम नयनपुर निवासी अमित पाण्डेय ने थाना सूरजपुर में रिपोर्ट दर्ज कराई थी, शिकायत के अनुसार यू.बी. वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड के प्लांट नयनपुर से ट्रक क्रमांक यूपी 61 एटी 2832 में 30 टन 160 किलो सरिया लोड कर उत्तरप्रदेश भेजा गया था,आरोप है कि चालक और उसके साथियों ने करीब 15.23 लाख रुपये कीमत का सरिया हड़प लिया,मामले में पूर्व में तीन आरोपियों की गिरफ्तारी कर सरिया बिक्री की रकम से खरीदे गए ट्रकों सहित लगभग 1.50 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त की जा चुकी है,वहीं एक अन्य आरोपी सुनील विश्वकर्मा को भी मार्च 2026 में गिरफ्तार किया गया था।

गाजीपुर में दबिश देकर पकड़ा फरार आरोपी

मामले का मुख्य फरार आरोपी अनिल यादव पुलिस की गिरफ्त से बाहर था,डीआईजी एवं एसएसपी सूरजपुर प्रशांत कुमार ठाकुर के निर्देशन में गठित टीम ने तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिर की सूचना के आधार पर उत्तरप्रदेश के गाजीपुर में दबिश देकर आरोपी अनिल यादव (30 वर्ष) निवासी चौबेपुर,वाराणसी को गिरफ्तार किया,पूछताछ में आरोपी ने अपराध में संलिप्तता स्वीकार की, जिसके बाद उसे 9 जून 2026 को विधिवत गिरफ्तार किया गया।

कोयला हेराफेरी मामले में पंजाब से गिरफ्तारी

दूसरा मामला 19 फरवरी 2026 का है, बिश्रामपुर निवासी ऋषिकेश पाण्डेय ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि हिंद यूनाइटेड प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से रेहर भूमिगत खदान से उड़ीसा भेजा जा रहा 80.29 टन कोयला ट्रकों सहित गायब कर दिया गया, इस मामले में पूर्व में एक आरोपी बारु राम शर्मा उर्फ अमनदीप सिंह को गिरफ्तार किया जा चुका था,अब पुलिस ने पंजाब के बरनाला जिले में दबिश देकर दूसरे आरोपी जसपाल सिंह उर्फ बलजीत सिंह (43 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया है,मामले में अभी दो अन्य आरोपी फरार हैं,जिनकी तलाश जारी है।

पुलिस टीम की रही अहम भूमिका...

पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी विमलेश दुबे,एएसआई देवनाथ चौधरी,आरक्षक जितेन्द्र पटेल,इमरान खान और रविराज पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही,पुलिस का कहना है कि दोनों मामलों में फरार अन्य आरोपियों की भी जल्द गिरफ्तारी की जाएगी।

पशु टीकाकरण अभियान के नाम पर करोड़ों का खेल?

कोरिया जिले में वर्षों से कागजों में दौड़ रहा टीकाकरण अभियान, फर्जीवाड़े के आरोपों ने खड़े किए गंभीर सवाल

किसान के पास 2 पशु, रिकॉर्ड में 20! आखिर किसके संरक्षण में चल रहा यह खेल?

-रवि सिंह-

कोरिया,11 जून 2026 (घटती-घटना)। कोरिया जिले के पशुधन विकास विभाग में संचालित पशु टीकाकरण अभियान को लेकर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं,आरोप है कि पिछले कई वर्षों से पशु टीकाकरण,पशुधन संरक्षण और विभागीय योजनाओं के नाम पर कागजी उपलब्धियों का ऐसा ताना-बाना बुना जा रहा है,जिसमें आंकड़े तो चमक रहे हैं लेकिन जमीनी हकीकत कहीं दिखाई नहीं दे रही, ग्रामीण क्षेत्रों से मिल रही शिकायतों और सूत्रों के दावों ने पूरे अभियान की पारदर्शिता पर प्रश्नचिन्ह लगा दिया है।

आरोपों के अनुसार जिले के विभिन्न विकासखंडों,विशेषकर पोड़ी-बचरा सहित कई ग्रामीण क्षेत्रों में पशुओं का वास्तविक टीकाकरण किए बिना ही ऑनलाइन पोर्टल में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा दर्शाया जा रहा है, विभागीय रिकॉर्ड में सफलता की कहानी लिखी जा रही है,जबकि कई पशुपालक दावा कर रहे हैं कि उनके पशुओं तक टीकाकरण दल कभी पहुंचा ही नहीं।

आरोप क्या है?

- टीकाकरण के बिना रिकॉर्ड में शत-प्रतिशत लक्ष्य पूरा दिखाया गया
- जियो टैगिंग और ओटीपी सत्यापन के बिना एंट्री
- किसान के 2-3 पशु, रिकॉर्ड में 15-20 पशु
- राज्य से जिला स्तर तक मिलीभगत की आशंका

मांग की जा रही है

- वर्षों के रिकॉर्ड की जांच हो
- जियो टैगिंग, ओटीपी और वास्तविक संख्या का सत्यापन हो
- दोषियों पर कड़ी कार्रवाई हो

कागजों में दौड़ते पशु,गांवों में नहीं पहुंची टीमें...

पशु टीकाकरण अभियान का उद्देश्य पशुओं को संक्रामक बीमारियों से बचाना है, इसके लिए विभागीय टीमों को घर-घर जाकर पशुओं का टीकाकरण करना होता है, प्रत्येक पशु का जियो टैगिंग, पशुपालक का मोबाइल नंबर, ओटीपी सत्यापन और ऑनलाइन एंट्री जैसी प्रक्रियाएं निर्धारित की गई हैं, लेकिन आरोप है कि कई स्थानों पर इन प्रक्रियाओं का पालन किए बिना ही रिकॉर्ड तैयार कर दिए गए, ग्रामीणों का कहना है कि न तो किसी ने ओटीपी मांगा, न जियो टैगिंग हुई और न ही कई पशुओं का टीकाकरण किया गया, फिर भी रिकॉर्ड में अभियान पूरा दर्शा दिया गया।

दो पशु वाले किसान के नाम पर बीस पशुओं का टीकाकरण?

सबसे चौंकाने वाला आरोप पशुओं की संख्या को लेकर सामने आया है, ग्रामीणों का दावा है कि जिन किसानों के पास दो या तीन पशु हैं, उनके नाम पर रिकॉर्ड में 15 से 20 पशुओं का टीकाकरण दर्शाया गया है, यदि यह आरोप सही हैं तो सवाल उठता है कि आखिर यह अतिरिक्त पशु आए कहां से? क्या केवल लक्ष्य पूरा दिखाने के लिए आंकड़ों का खेल खेला गया? क्या शासन को वास्तविक स्थिति से अलग जानकारी भेजी गई? यही प्रश्न अब पूरे जिले में चर्चा का विषय बन चुके हैं।

मिलीभगत की आशंका ने बढ़ाई गंभीरता

सूत्रों का दावा है कि यह केवल लापरवाही का मामला नहीं बल्कि एक सुनियोजित तंत्र का हिस्सा हो सकता है, आरोप लगाए जा रहे हैं कि राज्य स्तर से लेकर जिला स्तर तक कुछ जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से फर्जी आंकड़े तैयार कर पोर्टल में अपलोड किए जा रहे हैं, यदि ऐसा है तो मामला केवल विभागीय अनियमितता तक सीमित नहीं रहेगा,बल्कि यह शासन को गुमराह करने,सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में फर्जीवाड़ा करने और सार्वजनिक संसाधनों के दुरुपयोग का गंभीर विषय बन सकता है।

पशुओं की सेहत से खिलवाड़ का आरोप...

पशुपालकों का कहना है कि टीकाकरण नहीं होने से पशुओं में खुरपका-मुंहपका, गलघोंटू और अन्य संक्रामक बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। पशुधन ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है और ऐसे में यदि केवल कागजों में टीकाकरण दिखाकर अभियान पूरा घोषित कर दिया गया है तो इसका सीधा असर किसानों की आजीविका पर पड़ सकता है, ग्रामीणों का कहना है कि यदि भविष्य में किसी बीमारी का प्रकोप फैलता है तो इसकी जिम्मेदारी कौन लेगा?

उच्चस्तरीय जांच की उठी मांग...

किसानों और पशुपालकों ने मांग की है कि पिछले कई वर्षों के टीकाकरण रिकॉर्ड, ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज आंकड़ों, जियो टैगिंग डेटा,ओटीपी सत्यापन रिकॉर्ड और वास्तविक पशु संख्या का भौतिक सत्यापन कराया जाए,साथ ही पूरे मामले की स्वतंत्र एजेंसी से जांच कराई जाए ताकि यह स्पष्ट हो सके कि रिकॉर्ड और वास्तविकता में कितना अंतर है तथा यदि किसी स्तर पर फर्जीवाड़ा हुआ है तो उसके लिए जिम्मेदार कौन है।

उप संचालक से नहीं हो सका संपर्क...

इस पूरे मामले में विभाग का पक्ष जानने के लिए उप संचालक पशु चिकित्सा सेवाएं कोरिया, विभा सिंह बघेल से उनके उपलब्ध मोबाइल नंबरों पर संपर्क करने का प्रयास किया गया, लेकिन समाचार लिखे जाने तक उनसे संपर्क नहीं हो सका,अब निगाहें शासन और प्रशासन पर टिकी हैं, यदि आरोपों में सच्चाई पाई जाती है तो यह कोरिया जिले के पशुधन विकास विभाग से जुड़ा एक बड़ा मामला साबित हो सकता है,वहीं यदि आरोप गलत हैं तो विभाग के लिए भी आवश्यक होगा कि वह सार्वजनिक रूप से तथ्य सामने रखकर स्थिति स्पष्ट करे,फिलहाल किसानों का सवाल बरकरार है–उनके पशुओं के नाम पर दर्ज टीकाकरण का लाभ आखिर गया कहां?

जवाब मांग रहे किसान...

अब जिले के किसान और पशुपालक कुछ सीधे सवालों के जवाब चाहते हैं क्या कोरिया जिले में वर्षों से कागजों में ही पशु टीकाकरण अभियान चल रहा है? क्या वास्तविक पशु संख्या से अधिक आंकड़े दर्ज किए गए हैं? क्या जियो टैगिंग और ओटीपी सत्यापन के बिना ही रिकॉर्ड पूर्ण कर दिए गए? क्या विभागीय अधिकारियों और कर्मचारियों की मिलीभगत से यह कथित खेल चल रहा है? यदि जांच होती है तो क्या बड़े खुलासे सामने आएंगे?

नौकरी दिलाने का झांसा देकर दो लाख की ठगी,आरोपी गिरफ्तार

पटना पुलिस की बड़ी कार्रवाई,बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी का सपना दिखाकर करता था धोखाधड़ी

-संवाददाता-

कोरिया/पटना,11 जून 2026 (घटती-घटना)। स्वयं बेरोजगार एक युवा ने बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी करने वाले एक आरोपी को पटना पुलिस ने गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है,आरोपी लंबे समय से नौकरी की तलाश कर रहे युवाओं को सरकारी एवं निजी संस्थानों में नौकरी लगवाने का प्रलोभन देकर उनसे मोटी रकम वसूल रहा था,पुलिस के अनुसार आरोपी के विरुद्ध धोखाधड़ी की शिकायत मिलने के बाद मामले की गंभीरता से जांच की गई और तकनीकी साक्ष्यों तथा मुखबिर की सूचना के आधार पर उसे गिरफ्तार कर लिया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम आंजोखुर्द निवासी नंदलाल सिंह ने थाना पटना में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी, शिकायत में बताया गया कि ग्राम आंजोखुर्द निवासी किशन तिवारी ने नगर पंचायत पटना में नौकरी लगवाने का भरोसा दिलाकर उससे लगभग दो लाख रुपये की राशि प्राप्त की थी,शिकायतकर्ता का आरोप था कि नौकरी दिलाने के नाम पर रकम लेने के बाद आरोपी न तो नौकरी दिला सका और न ही पैसे वापस किए,इसके बाद पीड़ित ने पुलिस का दरवाजा खटखटाया।

मामला दर्ज कर शुरू हुई जांच

शिकायत की जांच उपरांत थाना पटना में दिनांक 28 फरवरी 2026 को अपराध क्रमांक 58/2026 दर्ज किया गया,पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 336(3), 338 एवं 238 के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना प्रारंभ की, मामले की जांच के दौरान पुलिस ने आरोपी की गतिविधियों,लेन-देन और अन्य तथ्यों की पड़ताल की,जांच में यह भी सामने आया कि आरोपी बेरोजगार युवाओं को नौकरी दिलाने के नाम पर अपने प्रभाव और संपर्कों का हवाला देकर विश्वास में लेता था।

तकनीकी साक्ष्यों से पुलिस को मिली सफलता

मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पटना पुलिस लगातार आरोपी की तलाश में जुटी हुई थी,पुलिस ने तकनीकी साक्ष्यों, मोबाइल लोकेशन तथा मुखबिर से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर आरोपी की गतिविधियों पर नजर रखी,लगातार प्रयासों के बाद पुलिस टीम ने आरोपी किशन तिवारी पिता जय कुमार तिवारी,उम्र 23 वर्ष, निवासी ग्राम आंजोखुर्द,थाना पटना को 9 जून 2026 को गिरफ्तार कर लिया,गिरफ्तारी के बाद आरोपी से पूछताछ की जा रही है, पुलिस यह भी जांच कर रही है कि आरोपी ने इसी प्रकार अन्य लोगों को भी

नौकरी का झांसा देकर ठगी तो नहीं की है।

अन्य मामलों की भी हो रही जांच

पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपी के मोबाइल फोन,बैंक खातों तथा लेन-देन संबंधी दस्तावेजों की जांच की जा रही है,यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि कहीं उसने अन्य बेरोजगार युवाओं को भी इसी प्रकार अपने जाल में फंसाकर रकम तो नहीं वसूली,यदि जांच में अन्य मामलों का खुलासा होता है तो आरोपी के विरुद्ध अतिरिक्त धाराओं के तहत भी कार्रवाई की जा सकती है। इस कार्रवाई में थाना प्रभारी पटना उपनिरीक्षक प्रमोद पांडे,सहायक उपनिरीक्षक बाल कृष्ण राजवाड़े सहित थाना पटना के अन्य पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही। पुलिस टीम की सतर्कता और त्वरित कार्रवाई के कारण आरोपी को कानून के शिकंजे में लाया जा सका।

पुलिस ने लोगों से की अपील

पटना पुलिस ने आम नागरिकों से अपील की है कि नौकरी दिलाने,सरकारी भर्ती में चयन कराने अथवा प्रभाव का उपयोग कर नियुक्ति दिलाने के नाम पर धनराशि मांगने वाले व्यक्तियों से सतर्क रहें, पुलिस ने कहा है कि सरकारी नौकरियों में चयन निर्धारित प्रक्रिया एवं पात्रता के आधार पर होता है, यदि कोई व्यक्ति नौकरी दिलाने के नाम पर पैसे मांगता है तो उसकी सूचना तत्काल पुलिस को दें ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

बढ़ रहे हैं नौकरी के नाम पर ठगी के मामले

बेरोजगारी और सरकारी नौकरी की चाहत का फायदा उठाकर ठगी करने वाले गिरोह लगातार सक्रिय हैं,ऐसे मामलों में आरोपी अक्सर प्रभावशाली लोगों से पहचान,विभागीय संपर्क या पक्की नौकरी का भरोसा देकर युवाओं को जाल में फंसाते हैं,पुलिस की इस कार्रवाई को नौकरी के नाम पर ठगी करने वालों के खिलाफ एक सख्त संदेश माना जा रहा है कि ऐसे अपराध करने वालों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के हक़ में सड़कों पर उतरे पूर्व विधायक गुलाब कमरो

लंबित भुगतान को लेकर महिला एवं बाल विकास विभाग को दी चेतावनी,तत्काल राशि जारी करने की मांग

-संवाददाता-

एमसीबी,11 जून 2026 (घटती-घटना)। मनेंद्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर (एमसीबी) जिले की आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लंबित भुगतान का मुद्दा अब राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में गूंजने लगा है, वर्षों से कम मानदेय में बच्चों,गर्भवती महिलाओं और कुपोषण से लड़ाई का जिम्मा संभाल रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के समर्थन में पूर्व विधायक गुलाब कमरो खुलकर सामने आए हैं, उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग की सचिव से मुलाकात कर लंबित प्रोत्साहन राशि एवं सुपोषण चौपाल भुगतान को लेकर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

महीनों से अटका है भुगतान...

पूर्व विधायक द्वारा सौंपे गए पत्र के अनुसार मनेंद्रगढ़ परियोजना के अंतर्गत कार्यरत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को कई महीनों से विभिन्न मदों की राशि नहीं मिली है, पोषण ट्रैकर ऐप के तहत जून 2024 से फरवरी 2025 तथा मार्च 2026 से मई 2026 तक की प्रोत्साहन राशि लंबित बताई गई है,इसके अलावा सुपोषण चौपाल कार्यक्रम के तहत सितंबर 2024 से फरवरी 2025 और मार्च 2026 से मई 2026 तक का भुगतान भी कार्यकर्ताओं को नहीं मिल पाया है, लंबे समय से भुगतान नहीं होने के कारण कई कार्यकर्ताओं के सामने आर्थिक संकट की स्थिति उत्पन्न हो गई है।

जेब से खर्च कर रही हैं कार्यकर्ता

गुलाब कमरो ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता पहले से ही सीमित मानदेय पर कार्य कर रही हैं,इसके बावजूद शासन की विभिन्न योजनाओं को सफल बनाने के लिए उन्हें मोबाइल, इंटरनेट रिचार्ज और अन्य तकनीकी खर्च स्वयं वहन करने पड़ रहे हैं,उन्होंने कहा कि पोषण ट्रैकर ऐप के माध्यम से प्रतिदिन ऑनलाइन जानकारी अपलोड करने की जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं पर है,लेकिन इसके लिए आवश्यक संसाधनों का खर्च भी उन्हें अपनी जेब से उठाना पड़ रहा है, इसके बावजूद प्रोत्साहन राशि समय पर नहीं मिलना बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

तत्काल भुगतान की मांग...

गुलाब कमरो ने महिला एवं बाल विकास विभाग से मांग की है कि सभी लंबित प्रोत्साहन राशि और सुपोषण चौपाल भुगतान तत्काल जारी किया जाए ताकि कार्यकर्ताओं को राहत मिल सके, उन्होंने कहा कि महंगाई के इस दौर में भुगतान में देरी सीधे तौर पर उनके परिवारों की आर्थिक स्थिति को प्रभावित कर रही है।

सरकार की कार्यप्रणाली पर उठाए सवाल...

पूर्व विधायक ने शासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि एक ओर सरकार महिला सशक्तिकरण और पोषण अभियान की बात करती है, वहीं दूसरी ओर जमीनी स्तर पर काम करने वाली महिलाओं को उनके मेहनताने के लिए महीनों इंतजार करना पड़ रहा है,उन्होंने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता शासन की महत्वपूर्ण योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम करती हैं और उनके साथ इस प्रकार का व्यवहार उचित नहीं कहा जा सकता।

दी आंदोलन की चेतावनी...

पूर्व विधायक ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की मेहनत का पैसा हर हाल में उन्हें मिलना चाहिए,यदि भुगतान में और देरी होती है तो कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर व्यापक आंदोलन किया जाएगा और सरकार को जवाब देना होगा,उन्होंने कहा कि यह केवल भुगतान का मुद्दा नहीं बल्कि उन महिलाओं के सम्मान और अधिकारों का प्रश्न है, जो वर्षों से समाज और बच्चों के बेहतर भविष्य के लिए कार्य कर रही हैं।

एसडीएम बैकुण्ठपुर पर पक्षपातपूर्ण कार्यवाही का आरोप,कलेक्टर से की शिकायत

-संवाददाता-

बैकुण्ठपुर/कोरिया,11 जून 2026 (घटती-घटना)। बैकुण्ठपुर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) न्यायालय में लंबित एक राजस्व अपील प्रकरण को लेकर नया विवाद सामने आया है,बैकुण्ठपुर निवासी राजकुमार साहू ने एसडीएम बैकुण्ठपुर पर पक्षपातपूर्ण एवं विधि-विरुद्ध कार्यवाही का आरोप लगाते हुए कलेक्टर कोरिया से लिखित शिकायत कर उच्चस्तरीय जांच की मांग की है, शिकायत में आरोप लगाया गया है कि अपील प्रकरण क्रमांक 202605011300020/ अ-6(अ)/25-26 (राजकुमार साहू विरुद्ध चिन्ताराम) में पहले अपील को सुनवाई योग्य मानकर स्वीकार किया गया,लेकिन बाद में कथित रूप से नियमों के विपरीत उसे निरस्त कर दिया गया।

शिकायतकर्ता के अनुसार नायब तहसीलदार बैकुण्ठपुर द्वारा वर्ष 2021 में एक राजस्व प्रकरण में उनकी भूमि से संबंधित आदेश पारित किया गया था, उनका आरोप है कि उस समय उन्हें न तो पक्षकार बनाया गया और न ही सुनवाई का अवसर दिया गया, आदेश की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ भू-राजस्व संहिता की धारा 44 के तहत एसडीएम न्यायालय में अपील प्रस्तुत की थी।

विलंब माफी स्वीकार, फिर अपील निरस्त

शिकायत में कहा गया है कि 13 मार्च 2026 को एसडीएम न्यायालय ने विलंब माफी आवेदन स्वीकार करते हुए माना था कि अपीलकर्ता को मूल प्रकरण में सुनवाई का अवसर नहीं मिला था, इसी आधार पर अपील को अंतिम सुनवाई हेतु स्वीकार किया गया था,लेकिन बाद में उसी अपील को निरस्त कर दिए जाने पर शिकायतकर्ता ने सवाल खड़े किए हैं, उनका कहना है कि जब न्यायालय स्वयं अपील स्वीकार कर चुका था तो बाद में विपरीत निर्णय कैसे लिया गया।

न्यायालयीन अवकाश के दिन आदेश का आरोप

मामले का सबसे गंभीर पहलू शिकायतकर्ता ने यह बताया है कि 29 मई 2026 को न्यायालयीन कार्य स्थगित था तथा नोटिस बोर्ड पर उस दिन के सभी प्रकरणों को आगामी तिथि के लिए स्थगित किए जाने की सूचना प्रदर्शित थी, इसके बावजूद उनके प्रकरण को उसी दिन निराकृत दर्शाया गया, शिकायतकर्ता का दावा है कि बोर्ड डायरी में भी प्रकरण को निराकृत अंकित किया गया है, जबकि आदेश में दूसरी तिथि अंकित है, इसे लेकर उन्होंने प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाए हैं।

कलेक्टर से निष्पक्ष जांच की मांग...

राजकुमार साहू ने कलेक्टर कोरिया को सौंपे आवेदन में पूरे मामले की उच्चस्तरीय जांच कराने, न्यायालयीन अभिलेखों की जांच करने तथा यदि अनियमितता पाई जाती है तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने की मांग की है,उन्होंने यह भी कहा है कि उन्हें न्याय प्राप्त करने के अवसर से वंचित किया गया है और मामले की निष्पक्ष सुनवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए।

जांच के बाद ही स्पष्ट होगी स्थिति...

फिलहाल शिकायत कलेक्टर कार्यालय तक पहुंच चुकी है, अब यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि प्रशासन इस मामले में क्या रुख अपनाता है और जांच के दौरान सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर क्या कार्रवाई की जाती है,मामला राजस्व न्यायालय की कार्यप्रणाली से जुड़ा होने के कारण स्थानीय स्तर पर चर्चा का विषय बना हुआ है।

CMYK

अक्षय कुमार रवीना टंडन के साथ लंबे समय बाद 'वेलकम टू द जंगल' में...

अक्षय कुमार जल्द ही अपनी आने वाली मल्टीस्टारर फिल्म'वेलकम टू द जंगल' में नजर आने वाले हैं। यह फिल्म अपने बड़े स्टारकास्ट और कॉमेडी एंटरटेनमेंट के लिए पहले ही चर्चा में बनी हुई है। फिल्म में अक्षय कुमार के साथ रवीना टंडन,जैकलीन फर्नांडिस,दिशा पाटनी,सुनील शेट्टी,अरशद वारसी,जैकी श्रॉफ सहित कई बड़े कलाकार शामिल हैं। इस फिल्म की खास बात यह है कि इसमें कई दिग्गज सितारों को एक साथ स्क्रीन पर देखने का मौका मिलेगा। खासतौर पर अक्षय कुमार और रवीना टंडन की जोड़ी को लेकर दर्शकों में अलग ही उत्साह है। दोनों लंबे समय बाद एक साथ किसी प्रोजेक्ट में काम कर रहे हैं। एक समय था जब अक्षय कुमार और रवीना टंडन को बॉलीवुड का बेस्ट ऑनस्क्रीन कपल माना जाता था। दोनों की जोड़ी ने कई फिल्मों में दर्शकों का दिल जीता था और उनकी केमिस्ट्री को खूब पसंद किया गया था। अब सालों बाद दोनों एक बार फिर साथ नजर आने वाले हैं,जिससे फैंस में पुरानी यादें ताजा हो गई हैं। फिल्म को लेकर जब अक्षय कुमार से रवीना टंडन के साथ काम करने के अनुभव के बारे में पूछा गया,तो उन्होंने इसे बेहद खास बताया। अक्षय ने कहा कि इतने सालों बाद रवीना के साथ काम करना एक अलग ही अनुभव है और पुराने दिनों की कई यादें ताजा हो गई हैं। उन्होंने यह भी कहा कि रवीना एक बेहतरीन कलाकार हैं और उनके साथ स्क्रीन शेयर करना हमेशा ही सहज और मजेदार रहा है। 'वेलकम टू द जंगल' को लेकर फिल्म इंडस्ट्री में काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। यह फिल्म कॉमेडी और एंटरटेनमेंट से भरपूर बताई जा रही है, जिसमें कई किरदार और अलग-अलग कहानियों का मिश्रण होगा। निर्माताओं का मानना है कि इतने बड़े स्टारकास्ट के साथ यह फिल्म दर्शकों को एक शानदार सिनेमाई अनुभव देगी। अक्षय कुमार और सुनील शेट्टी की जोड़ी भी एक बार फिर साथ नजर आएगी,जिसे लेकर फैंस में खासा उत्साह है। कुल मिलाकर,'वेलकम टू द जंगल' न केवल अपने विशाल स्टारकास्ट के कारण चर्चा में है,बल्कि अक्षय कुमार और रवीना टंडन की लंबे समय बाद साथ वापसी इसे और भी खास बना रही है। फिल्म को लेकर दर्शकों की उम्मीदें लगातार बढ़ती जा रही हैं।

अभिनेत्रियों संग फिल्म करने पर रवि किशन का रिएक्शन,
मां बहन एक्टर का बयान करेगा हैरान

भोजपुरी सिनेमा से लेकर हिंदी सिनेमा तक अपनी धाक जमाने वाले अभिनेता रवि किशन ने हाल ही में एक्ट्रेसेज संग काम करने को लेकर बयान दिया है। मौजूदा समय में ओटीटी फिल्म मां बहन को लेकर अभिनेता रवि किशन का नाम हर तरफ चर्चा का विषय बना हुआ है। जिस तरह से इस मूवी में उन्होंने गुप्ता जी का किरदार अदा किया है, उसकी प्रशंसा हर तरफ की जा रही है। इस बीच रवि किशन ने मां बहन फिल्म और महिला कलाकारों को साथ काम करने को लेकर खुलकर बात की है। जिसके चलते उन्होंने एक हैरान करने वाला बयान दिया है।

रवि किशन का बड़ा बयान

फिल्म मां बहन में अभिनय करने को लेकर पहले अभिनेता रवि किशन सोच में पड़े थे कि उन्हें यह फिल्म करनी चाहिए या नहीं। इसका कारण इस फिल्म का महिला प्रधान होना नहीं, बल्कि कुछ और था। रवि किशन कहते हैं- मेरी कुंडली में महिलाओं का काफी आशीर्वाद रहा है। जब भी वह मेरी जिंदगी में आती हैं, मैं ग्लो (चमकना) और ग्रो (आगे बढ़ना) करता हूं।

यह सच है,तभी तो फिल्म लापता लेडीज ने मुझे सीधे ऑस्कर तक पहुंच दिया था। खैर, मां बहन फिल्म में मेरा रोल अलग है। मैंने इसमें निगेटिव रोल किया है। मैं इस फिल्म में खुद को लिए जाने का पूरा श्रेय निर्देशक सुरेश त्रिवेणी को देता हूं। उन्होंने मुझे इस फिल्म को करने के लिए हां करवाया था। इसका कारण यह था,क्योंकि मैं राजनीति में भी सक्रिय हूं,इसलिए मुझे कदम फूंक-फूंककर रखने पड़ते हैं।एक गलती से सालों की तपस्या भंग हो सकती है। फिल्म में निर्देशक ने मुझसे बहुत कमाल तरीके से काम करवाया है। आगे रवि किशन ने उन ट्रोलर्स को भी जवाब दिया, जो उन्हें कई बार बिना कारण उन्हें ट्रोल कर देते हैं। रवि किशन कहते हैं कि दुनिया में कई लोग ऐसे हैं जिनके सपने अधूरे हैं। अगर मुझे ट्रोल करके उन्हें खुशी मिलती है,तो मुझे आपत्ति नहीं।

रवि किशन की अगली फिल्म

मां बहन की सफलता के बाद फैंस रवि किशन की अगली फिल्म का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। गौर करें उनकी अपकमिंग मूवी की तरफ तो उसका नाम धमाल 4 है,जिसे 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज किया जाएगा। अजय देवगन की इस कॉमेडी फिल्म में रवि का किरदार अहम रहने वाला है।

इसाकापट्टनम में पॉलिटिकल ड्रामा और गैंगस्टर कहानी का मिश्रण

आने वाली तमिल-भाषा की स्ट्रीमिंग सीरीज़ 'इसाकापट्टनम' में पारिवारिक झगड़ों और गैंगस्टरों की लड़ाई के साथ-साथ पॉलिटिकल ड्रामा भी देखने को मिलेगा। इस सीरीज़ में समुथिरकानी,ऐश्वर्या राजेश, सुनील,नरेश अगस्त्य,मेरिन फिलिप,सुधाकर कोमाकुला,राजीव कनाकला,माइम गोपी,रोहिणी, बनर्जी,ज्वाला कोटी,रवि वर्मा और राजा चेम्बोलु अहम भूमिकाओं में हैं। इसे गैरी बीएच ने डायरेक्ट किया है,प्रशांत रागाथी ने लिखा है और इसके डायलॉग ताजुद्दीन सैयद ने लिखे हैं। एक काल्पनिक बंदरगाह शहर पर आधारित यह ज़बरदस्त और दमदार ड्रामा सत्ता की लड़ाई,पारिवारिक झगड़ों, गैंगस्टरों की लड़ाई और पॉलिटिकल ड्रामा के इर्द-गिर्द घूमता है। प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल्स के डायरेक्टर और हेड, निखिल मधोक ने कहा,हमारे पास साउथ स्लेट में ओरिजिनल्स की एक बहुत बड़ी लाइब्रेरी है,जिसमें अलग-अलग भाषाओं,जॉनर और थीम की कहानियाँ हैं जो न केवल भारत में बल्कि दुनिया भर के अलग-अलग तरह के दर्शकों को पसंद आती हैं। हम इसाकापट्टनम के साथ इस स्लेट को और बढ़ा रहे हैं। यह बदले की भावना से भरी एक ज़बरदस्त क्राइम गाथा है,जिसमें एक दिलचस्प कहानी के साथ-साथ कई परतों वाले और लोगों से जुड़े हुए किरदार हैं। यह सीरीज़ अपने अनपेक्षित ट्विस्ट और टर्न से दर्शकों को बांधे रखने का वादा करती है। उन्होंने आगे कहा, यह सीरीज़ गैरी के बेहतरीन डायरेक्शन में समुथिरकानी और ऐश्वर्या की शानदार एक्टिंग और एक टैलेंटेड कास्ट के साथ इस रॉ और दिलचस्प दुनिया को स्क्रीन पर बहुत बारीकी से दिखाती है। तमाडा एक बेहतरीन पार्टनर रहे हैं, जिनके साथ हमने एक ऐसा सिनेमैटिक और असली प्रोडक्शन बनाया है,जिसके बारे में हमें पूरा भरोसा है कि जब यह प्राइम वीडियो पर एक्सक्लूसिव रूप से प्रीमियर होगा, तो दुनिया भर के दर्शक इसका आनंद लेंगे। राहुल तमाडा और साईदीप रेड्डी बोरा ने कहा,हालांकि इसाकापट्टनम' में बदले की भावना वाली थ्रिलर का जोश और जुनून है,लेकिन असल में यह कहानी निजी नुकसान, वफादारी,पारिवारिक झगड़ों और राजनीतिक टकराव के बारे में है। हमें लगता है कि ये विषय दुनिया भर के दर्शकों के लिए दिलचस्प और मनोरंजक होंगे। यह सीरीज़ असलियत पर आधारित है;इसमें पोर्ट टाउन को फिर से बनाने से लेकर किरदारों और कहानी तक, हर चीज़ एक शानदार और दिलचस्प कहानी कहने के अनुभव में योगदान देती है। हमें खुशी है कि हम प्राईम वीडियो के साथ मिलकर इस दमदार और भावनाओं से भरी कहानी को भारत और दुनिया भर के दर्शकों तक पहुँचा रहे हैं,जिसका प्रीमियर 2 जुलाई को होगा।÷

दगाबाज रे का भोजपुरी वर्जन सोशल मीडिया पर वायरल

सलमान खान की फिल्म'दबंग 2' का मशहूर गाना 'दगाबाज रे'एक बार फिर सोशल मीडिया पर सुर्खियों में है, लेकिन इस बार यह अपने ओरिजिनल वर्जन में नहीं बल्कि भोजपुरी अंदाज में वायरल हो रहा है। इस गाने के भोजपुरी वर्जन ने दर्शकों का ध्यान खींच लिया है और इंटरनेट पर तेजी से लोकप्रियता हासिल कर रहा है। इस भोजपुरी वर्जन को आर्टिस्ट मृत्युंजय कुमार ने अपने अंदाज में तैयार किया है। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस गाने की एक छोटी क्लिप साझा की है, जिसमें उन्होंने 'दगाबाज रे' की मूल लिरिक्स को बदलकर उसे पूरी तरह भोजपुरी रंग दे दिया है। इस नए रूप में गाने को स्थानीय स्वाद और बोलचाल की शैली के साथ पेश किया गया है, जिससे यह दर्शकों के बीच और भी आकर्षक बन गया है। गाने की खास बात यह है कि इसमें मूल म्यूजिक को बरकरार रखा गया है,जबकि केवल लिरिक्स और प्रस्तुति में बदलाव किया गया है। इस भोजपुरी वर्जन में प्रेमी अपनी प्रेमिका को मनाने की कोशिश करता नजर आता है, जो इसे एक भावनात्मक और मनोरंजक रूप देता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर यह क्लिप तेजी से वायरल हो रही है। इंस्टाग्राम,फेसबुक और यूट्यूब शॉर्ट्स पर यूजर्स इस गाने को खूब शेयर कर रहे हैं। कई लोगों ने इस प्रयास को क्रिएटिव और मनोरंजक बताया है, जबकि कुछ यूजर्स ने इसे ओरिजिनल गाने का एक नया और दिलचस्प रूप करार दिया है। भोजपुरी संगीत और फिल्मों की लोकप्रियता पिछले कुछ वर्षों में लगातार बढ़ी है। ऐसे में बॉलीवुड गानों का भोजपुरी वर्जन बनना अब एक नया ट्रेंड बनता जा रहा है। इस तरह के रीमिक्स और रीक्रिएशन दर्शकों को अलग अनुभव देने के साथ-साथ दोनों भाषाओं के संगीत को जोड़ने का काम भी कर रहे हैं। मृत्युंजय कुमार के इस प्रयास को खासतौर पर युवा दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है। कई यूजर्स ने कमेंट कर इसे फ्रेश और एंटरटेनिंग वर्जन बताया है। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि भोजपुरी टच ने गाने को और भी मजेदार बना दिया है। कुल मिलाकर, 'दगाबाज रे' का भोजपुरी वर्जन सोशल मीडिया पर एक नया ट्रेंड बनकर उभरा है। मृत्युंजय कुमार की क्रिएटिविटी और भोजपुरी स्टाइल ने इस पुराने हिट गाने को एक नया जीवन दे दिया है, जिसे लोग खूब पसंद कर रहे हैं और लगातार शेयर भी कर रहे हैं।

सस्पेंस और थ्रिल से भरपूर फिल्म ने बढ़ाया क्रेज

प्यार जब ऑब्सेशन में बदल जाता है, तो वह एक बेहद खतरनाक और भयावह मोड़ ले सकता है। इसी विषय पर आधारित एक हालिया साउथ फिल्म इस समय ओटीटी प्लेटफॉर्म पर तेजी से ट्रेंड कर रही है और दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई है। फिल्म की कहानी एक ऐसे रिश्ते को दिखाती है, जहां प्यार धीरे-धीरे जुनून और फिर एक डरावनी सच्चाई में बदल जाता है। कई लोग इस फिल्म को शुरुआत में हॉलीवुड की हॉरर फिल्म 'ऑब्सेशन' से जोड़कर देख रहे थे, लेकिन यह स्पष्ट है कि यह एक साउथ इंडस्ट्री की प्रोडक्शन है। फिल्म ने अपनी दमदार कहानी, सस्पेंस और थ्रिलर एलिमेंट्स के कारण दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया है। ओटीटी पर रिलीज होने के बाद से ही इसे लगातार व्यूअर्स मिल रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी इसको लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे किरदार के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने पार्टनर के प्रति इतना अधिक जुनूनी हो जाता है कि उसका व्यवहार धीरे-धीरे असामान्य और खतरनाक होता चला जाता है। शुरुआत में यह रिश्ता सामान्य प्रेम कहानी जैसा लगता है, लेकिन जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है,ऑब्सेशन का स्याह चेहरा सामने आने लगता है। इस फिल्म में दिखाया गया है कि कैसे अत्यधिक लगाव और नियंत्रण की भावना किसी रिश्ते को तोड़ने के साथ-साथ उसे डरावने अनुभव में बदल सकती है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं जो दर्शकों को लगातार बांधे रखते हैं और अंत तक सस्पेंस बनाए रखते हैं। यही वजह है कि इसे एक मस्ट वॉच थ्रिलर के रूप में देखा जा रहा है।

खेल समाचार

उज्जैन फाल्कन्स की जीत में योगदान से खुश महादेव तिवारी

इंदौर,11 जून 2026। उज्जैन फाल्कन्स के ऑलराउंडर माधव तिवारी ने बुधवार को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में मध्य प्रदेश लीग टी 20 सिंधिया कप 2026 में भोपाल लेपर्ड्स के खिलाफ टीम की 16 रन की जीत में अहम भूमिका निभाने के बाद खुशी जताई। माधव तिवारी ने शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन किया; उन्होंने 28 गेंदों पर नाबाद 61 रन बनाकर उज्जैन फाल्कन्स को 195/8 के स्कोर तक पहुँचाया और फिर गेंदबाजी में चार ओवर में 2/26 के आंकड़े दर्ज किए। इस प्रदर्शन के साथ ही वे चार मैचों में 194 रन बनाकर नए ऑरेंज कैप होल्डर भी बन गए। जीत पर बात करते हुए माधव तिवारी ने कहा कि टूर्नामेंट में मिली-जुली शुरुआत के बाद टीम के अभियान के लिए यह नतीजा बहुत अहम था।तिवारी ने कहा, हमारे लिए सबसे ज़रूरी बात यह जीत हासिल करना था क्योंकि इससे हमें टूर्नामेंट में ज़रूरी मोमेंटम मिला। हमने अच्छी शुरुआत की थी, फिर कुछ करीबी हार का सामना करना पड़ा, इसलिए मजबूती से वापसी करना ज़रूरी था। ड्रेसिंग रूम का माहौल पूरे समय सकारात्मक रहा। हमारे कोच, सपोर्ट स्टाफ और मैनेजमेंट ने बहुत सहयोग किया और हर कोई वापसी करने पर फोकस कर रहा था।इस युवा खिलाड़ी ने अपनी नाबाद पारी के दौरान अपनी सोच के बारे में भी बात की,जिससे फाल्कन्स एक चुनौतीपूर्ण स्कोर खड़ा कर पाए।

पीवी सिंधु और तन्वी शर्मा ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फ़ाइनल में पहुँचीं

सिडनी,11 जून 2026। दो बार की ओलंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु और युवा खिलाड़ी तन्वी शर्मा गुरुवार को सिडनी में ऑस्ट्रेलियन बैडमिंटन ओपन 2026 के महिला सिंगल्स क्वार्टर-फ़ाइनल में पहुँच गईं। उन्होंने अलग-अलग अंदाज़ में अपने ही देश की खिलाड़ियों को हराया। दुनिया की 10वें नंबर की खिलाड़ी पीवी सिंधु ने अपनी ही देश की खिलाड़ी इशारानी बरुआ को 42 मिनट में 22-20, 21-12 से हराया। तीसरे नंबर की वरीयता प्राप्त सिंधु को पहले गेम में कड़ी टक्कर मिली, जिसे उन्होंने टाई-ब्रेक में जीता, लेकिन दूसरे गेम में पूरी तरह से दबदबा बनाते हुए अंतिम आठ में अपनी जगह पक्की कर ली। सिंधु का अगला मुक़ाबला चीनी ताइपे की चेन सु-यू से होगा। वह इस सीज़न के अपने दूसरे सेमी-फ़ाइनल में पहुँचने की कोशिश करेंगी।

वर्ल्ड कप 2027 के शेड्यूल को लेकर आया बड़ा अपडेट...

04 अक्टूबर 2027 से शुरु होगा आईसीसी वर्ल्ड कप 2027

आईसीसी वर्ल्ड कप 2027 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका,जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला है... टूर्नामेंट के शेड्यूल को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है...

नई दिल्ली,11 जून 2026। वर्ल्डकप 2027 का आयोजन दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया की संयुक्त मेजबानी में होने वाला है। 31 मई को अहमदाबाद में हुई आईसीसी की बैठक में टूर्नामेंट के शेड्यूल को लेकर चर्चा की गई थी। ईएसपीएन क्रिकइंफो से मिली जानकारी के अनुसार वर्ल्ड कप 2027 की शुरुआत 4 अक्टूबर से हो जाएगी,जबकि फाइनल मुकाबला 21 नवंबर को होना तय है। इस साल के जुलाई में आईसीसी की वार्षिक आम बैठक होगी जिसमें शेड्यूल के अंतिम ढांचे पर मुहर लग जाएगी।

41 मैचों की मेजबानी करेगा दक्षिण अफ्रीका

वर्ल्ड कप 2027 में कुल 54 मैच खेले जाने वाले हैं। जिसमें से दक्षिण अफ्रीका को 41 की मेजबानी मिलने वाली है। जिम्बाब्वे के हिस्से में 8 से 10 मैच आने वाले हैं,जबकि नामीबिया में 3 मुकाबले हो सकते हैं। हरारे और बुलावायो के साथ ही मोसी-ओआ-तुन्या इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भी मैच होने वाले हैं। यहां निर्माण कार्य इस साल के आखिर तक पूरा हो जाएगा और अगले साल मई में इसके आधिकारिक उद्घाटन से पहले घरेलू क्रिकेट मैच खेले जाएंगे।

वर्ल्ड कप 2027 में 14 टीमें लेंगी हिस्सा

दक्षिण अफ्रीका साल 2003 के बाद पहली बार वनडे विश्व कप की मेजबानी करने वाला है। हालांकि इस दौरान यहां पर टी20 वर्ल्ड कप 2007,2009 चैंपियंस ट्रोफी और महिला टी20 विश्व कप 2023 की मेजबानी की है। जिम्बाब्वे और नामीबिया ने संयुक्त रूप से अंडर-19 वर्ल्ड कप 2026 की मेजबानी की थी। पिछले 2 संस्करणों में 10 टीमों ने वनडे विश्व कप में भाग लिया था, लेकिन अबकी बार 14 टीमें शामिल होने वाली हैं। 7-7 टीमों के 2 ग्रूप बनाए जाएंगे और हर ग्रुप से शीर्ष 3 टीमें सुपर सिक्स के लिए क्वालीफाई करेंगी।

टीम इंडिया की तैयारी होने वाली है शुरु

इसके साथ ही आपको बता दें कि वर्ल्ड कप 2023 की रनर अप भारतीय क्रिकेट टीम 13 जून से अफगानिस्तान के खिलाफ 3 वनडे मैचों की सीरीज खेलने वाली है। इस श्रंखला को वर्ल्ड कप 2027 की तैयारियों के लिहाज से अहम माना जा सकता है। शुभमन गिल भारत की कप्तानी करते हुए नजर आने वाले हैं। हार्दिक पांड्या और विराट कोहली इस सीरीज में चोटिल होने की वजह से नहीं खेल पाएंगे।

डेवोन कॉनवे इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए न्यूज़ीलैंड टीम में फिर से शामिल होंगे

नई दिल्ली,11 जून 2026। न्यूज़ीलैंड को उम्मीद है कि ओपनिंग बैटर डेवोन कॉनवे अगले हफ़्ते द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ़ दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध रहेंगे,भले ही उन्होंने मैचों के बीच अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए वेलिंगटन तक 23,000 मील की यात्रा की हो। कॉनवे,जिन्होंने लॉर्ड्स में कम स्कोर वाले सीरीज़ के पहले मैच में न्यूज़ीलैंड की 115 रन की हार के दौरान 1 और 41 रन बनाए थे, अपनी पत्नी किम के साथ दूसरे बच्चे के स्वागत के लिए घर लौट आए हैं।
यात्रा के मुश्किल शेड्यूल के बावजूद,न्यूज़ीलैंड को उम्मीद है कि यह बाएं हाथ का बल्लेबाज़ दूसरे टेस्ट के समय पर टीम में वापस आ जाएगा, जिससे मेहमान टीम को इंग्लैंड के खिलाफ़ सीरीज़ बराबर करने की कोशिश में मदद मिलेगी न्यूज़ीलैंड ने एक बयान में कहा,ब्लैककैप्स के बल्लेबाज़ डेवोन कॉनवे अपने दूसरे बच्चे के जन्म के समय मौजूद रहने के लिए कुछ समय के लिए न्यूज़ीलैंड घर लौट आए हैं। कॉनवे बुधवार 17 जून से द ओवल में इंग्लैंड के खिलाफ़ दूसरे टेस्ट से पहले लंदन लौटने से पहले परिवार के साथ कुछ समय घर पर बिताएंगे। पहले टेस्ट में बड़ी हार के बाद कीवी खिलाड़ियों को यूके में थोड़ा आराम दिया गया है। मेहमान टीम को शुक्रवार को द ओवल में ट्रेनिंग करनी है, जिसके बाद शनिवार को एक और दिन की छुट्टी होगी। द ओवल में दूसरे टेस्ट से पहले इंग्लैंड से जुड़ी मैदान के बाहर की उथल-पुथल चर्चा का विषय बनी हुई है; इस हफ़्ते की शुरुआत में लंदन के एक नाइटक्लब में देर रात हुई एक घटना में शामिल होने के कारण बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन को टीम से बाहर कर दिया गया है।

नीति आयोग की बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रखा विकसित छत्तीसगढ़ का विजन

बस्तर में आमदनी दोगुनी करने का बड़ा संकल्प...तीन साल में हर परिवार की आय 30 हजार रुपये प्रतिमाह तक पहुंचाने का लक्ष्य

बस्तर में दूध, खेतों तक पानी, युवाओं को काम और गांवों को नई पहचान देने की तैयारी

रायपुर,11 जून 2026। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आयोजित नीति आयोग की गवर्निंग काउंसिल की 11वीं बैठक में नक्सलवाद से मुक्त बस्तर की नई तस्वीर देश के सामने रखी। उन्होंने कहा कि दशकों तक हिंसा की मार झेलने वाला बस्तर अब आर्थिक पुनरुत्थान,रोजगार,शिक्षा,पर्यटन और कृषि आधारित विकास का मॉडल बनेगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में बस्तर के आदिवासी परिवारों की आय दोगुनी करने,दुग्ध क्रांति लाने, 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधाओं का विस्तार करने,पर्यटन को बड़े उद्योग के रूप में विकसित करने तथा एआई और सेमीकंडक्टर जैसे आधुनिक क्षेत्रों में निवेश बढ़ाने की व्यापक कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 के विजन के अनुरूप छत्तीसगढ़ को विकसित राज्य बनाने की दिशा में तेजी से काम किया जा रहा है। राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में केंद्रीय मंत्री, विभिन्न राज्यों के मुख्यमंत्री,केंद्र शासित प्रदेशों के उपराज्यपाल,नीति आयोग के उपाध्यक्ष,सदस्य और वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बस्तर अब नई पहचान की ओर बढ़ रहा है। वहां दूध उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है,खेतों तक पानी पहुंचाने की योजनाएं बनाई जा रही हैं,गांवों में डिजिटल स्वास्थ्य सुविधाएं पहुंच रही हैं और युवाओं को रोजगार से जोड़ने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अगले तीन वर्षों में बस्तर के परिवारों की मासिक आय बढ़ाकर 30 हजार रुपये तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। वर्तमान में बस्तर के लगभग 85 प्रतिशत परिवारों की मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है। सरकार खेती,पशुपालन,वन उपज, छोटे उद्योग और विभिन्न योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण परिवारों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने पर काम कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर में 'डेयरी मॉडल'को तेजी से लागू किया जा रहा है। इसके तहत आदिवासी परिवारों को दुधारू गाय और भैंस उपलब्ध कराने की योजना बनाई गई है। इसका उद्देश्य गांवों में स्थायी आय का स्रोत तैयार करना है। इस पहल से महिलाओं और युवाओं को रोजगार मिलेगा तथा गांवों में डेयरी केंद्र,दूध संग्रहण,परिवहन और स्थानीय बाजार जैसी नई आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने बताया कि सिंचाई सुविधा बढ़ाने के लिए 2,000 करोड़ रुपये से अधिक लागत वाले दो बड़े प्रोजेक्ट शुरू किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से 32 हजार हेक्टेयर क्षेत्र में सिंचाई सुविधा उपलब्ध होगी। इंद्रावती नदी क्षेत्र में सालभर पानी उपलब्ध होने से खेती बेहतर होगी,उत्पादन बढ़ेगा और किसान धान के साथ-साथ सब्जियां, फल तथा अन्य नकदी फसलें

भी उगा सकेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर के दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए लगभग 36 लाख लोगों की डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार की जा रही है। इससे मरीजों के इलाज, बीमारी और दवाओं का रिकॉर्ड सुरक्षित रहेगा तथा डॉक्टरों को समय पर सही जानकारी मिल सकेगी। इसका सबसे अधिक लाभ ग्रामीण क्षेत्रों,महिलाओं और बुजुर्गों को मिलेगा। उन्होंने बताया कि बस्तर में बने लगभग 200 सुरक्षा शिविरों को अब 'सेवा डेरा' के रूप में विकसित किया जा रहा है। इन केंद्रों के माध्यम से ग्रामीणों को राशन, पेंशन, आयुष्मान कार्ड,बैंकिंग,स्वास्थ्य और शिक्षा सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की 371 योजनाओं का लाभ एक ही स्थान पर उपलब्ध कराया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार चित्रकोट और बौद्ध धर्म से जुड़े तीर्थस्थल सिरपुर को विश्वस्तरीय पर्यटन स्थलों के रूप में विकसित कर रही है। बस्तर में वॉटर स्पोर्ट्स, एडवेंचर स्पोर्ट्स और जंगल सफारी जैसी गतिविधियों का विस्तार किया जा रहा है,जबकि सिरपुर में ग्लोबल मेडिटेशन सेंटर, संग्रहालय और महानदी तट के विकास पर कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि पर्यटन रोजगार का बड़ा माध्यम बन सकता है। पर्यटकों के आने से होटल, परिवहन,गाइड,हस्तशिल्प,दुकानदारों और स्थानीय उद्यमियों को रोजगार मिलता है। बस्तर को वैश्विक पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने से हजारों युवाओं के लिए रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ेंगे। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार निवेश,सुशासन और तकनीक आधारित विकास को तेजी से आगे बढ़ा रही है। राज्य में 435 सुधार लागू किए गए हैं और सिंगल विंडो सिस्टम को मजबूत बनाकर निवेश के लिए बेहतर वातावरण तैयार किया गया है। उन्होंने बताया कि राज्य में सेमीकंडक्टर क्षेत्र की दो आधुनिक इकाइयां स्थापित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि बस्तर में शिक्षा,स्वास्थ्य,कौशल विकास और डिजिटल तकनीक के जरिए विकास का नया मॉडल तैयार किया जा रहा है। अबूझमाड़ और जगरगुंडा में 100 करोड़ रुपये की लागत से एजुकेशन सिटी विकसित की जा रही है। इसके साथ ही 341 पीएमश्री स्कूल, 5,857 स्मार्ट क्लासरूम और 16 स्थानीय भाषाओं में द्विभाषी पुस्तकों के माध्यम से बच्चों को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराई जा रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एग्रीस्टैक योजना के तहत 33 लाख से अधिक किसानों को डिजिटल सेवाओं से जोड़ा गया है। डिजिटल द्वार प्लेटफॉर्म और अटल मॉनिटरिंग पोर्टल के माध्यम से सरकारी सेवाओं को अधिक पारदर्शी और सरल बनाया गया है। उन्होंने कहा कि विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण के लिए सरकार ने एआई मिशन,पर्यटन मिशन,खेल मिशन, अधोसंरचना मिशन और स्टार्टअप-निपुण मिशन शुरू किए हैं। इन मिशनों से युवाओं को रोजगार,तकनीक और उद्यमिता के नए अवसर मिलेंगे तथा छत्तीसगढ़ को नवाचार और निवेश के अग्रणी राज्यों में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने कहा कि आत्मनिर्भर भारत के तहत छत्तीसगढ़ में उद्योग, निवेश और निर्यात को नई गति मिली है। खेल सामग्री,सेमीकंडक्टर,इलेक्ट्रॉनिक्स, बायो-एथेनॉल, गारमेंट और टेक्सटाइल जैसे क्षेत्रों में नए उद्योग स्थापित हो रहे हैं, जिससे रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। पर्यावरण संरक्षण के लिए ग्रीन इंडस्ट्रीज को भी प्रोत्साहन दिया जा रहा है। उन्होंने बताया कि 'एक जिला-एक उत्पाद' (ओडीओपी) योजना से राज्य के स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार मिल रहे हैं।

अफसरों का आदिम जाति कल्याण विभाग ने किया ट्रांसफर....

रायपुर,11 जून 2026। छत्तीसगढ़ शासन के आदिम जाति विकास विभाग ने प्रशासनिक आधार पर तीन अपर संचालकों का तबादला करते हुए नई पदस्थापना के आदेश जारी किए हैं। विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार बस्तर,सरगुजा और बिलासपुर संभाग के अनुसूचित क्षेत्रों में संचालित जनजातीय विकास एवं कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और पर्यवेक्षण के लिए यह व्यवस्था की गई है। जारी आदेश में कहा गया है कि विशेष केंद्रीय सहायता योजना (बस्तर पैकेज),धरती आबा जनजाति ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए), प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन),वन अधिकार अधिनियम-2006,एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय, विभागीय छात्रावास एवं आश्रम संचालन, संविधान के अनुच्छेद 275(1) के अंतर्गत स्वीकृत कार्यों तथा एकीकृत आदिवासी विकास प्राधिकरण (आईटीडीए) की योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के उद्देश्य से यह आदेश जारी किया गया है। जितेंद्र कुमार गुप्ता-अपर संचालक,राधेश्याम भोई-अपर संचालक, तारकेश्वर देवांगन-अपर संचालक

कांग्रेस में शामिल हुए दंतेवाड़ा के 400 ग्रामीण

दंतेवाड़ा,11 जून 2026। बस्तर अंचल के जिले में राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई हैं। जिले के कुआकोंडा विकास खंड अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत फूलपाड़ में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को बड़ा संगठनात्मक झटका लगा। क्षेत्र के विकास कार्यों की कथित उपेक्षा और स्थानीय जनप्रतिनिधियों के व्यवहार पर सवाल उठाते हुए 450 से अधिक ग्रामीणों ने भाजपा छोड़ दी और कांग्रेस का दामन थाम लिया। फूलपाड़ में आयोजित राजनीतिक कार्यक्रम के दौरान इन सभी ग्रामीणों ने औपचारिक रूप से कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। ग्रामीणों को कांग्रेस में शामिल करने के लिए फूलपाड़ में कार्यक्रम का आयोजन किया गया था। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के संयुक्त महामंत्री छविंद्र कर्मा, पीसीसी सदस्य व पूर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष अवधेश गौतम, आदिवासी कांग्रेस के जिला अध्यक्ष शंकर कुंजाम और आदिवासी कांग्रेस के ब्लॉक अध्यक्ष देव सिंह ताती मुख्य रूप से उपस्थित रहे। मंच पर मौजूद वरिष्ठ नेताओं ने कांग्रेस में शामिल होने वाले सभी नवप्रवेशी ग्रामीणों और कार्यकर्ताओं का पारंपरिक रूप से स्वागत किया। नेताओं ने सभी को पार्टी का आधिकारिक गमछा पहनाकर बकायदा दल में प्रवेश कराया और उन्हें कांग्रेस की रीति-नीति व विचारधारा से अवगत कराया।

बिलासपुर में 7-7 साल के बच्चियों के साथ रेप...

बिलासपुर,11 जून 2026। सिरगिट्टी क्षेत्र में 7 वर्षीय दो मासूम बच्चियों के साथ नाबालिग लड़के द्वारा दुष्कर्म का मामला सामने आया है। मामले में पुलिस पर गंभीर लापरवाही, साक्ष्य संकलन में उदासीनता, एफआईआर में देरी कर पीड़ित पक्ष पर समझौते का दबाव बनाने को लेकर परिजनों ने एसपी से शिकायत की है। पीड़ित दोनों मासूम बच्चियों की मां परिजनों के साथ एसपी दफ्तर पहुंची। उन्होंने अपनी मासूम बच्चियों से दुष्कर्म की घटना के बाद थाना सिरगिट्टी पुलिस पर कार्रवाई में लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि वे सुबह से देर रात तक थाने एवं अधिकारियों के पास भटकते रहे। बार-बार निवेदन करने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। वरिष्ठ अधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद ही एफआईआर दर्ज हुई। घटना के संबंध में पुलिस को कई महत्वपूर्ण तथ्य एवं संभावित साक्ष्यों की जानकारी भी दी है।

पुलिस पर हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी...कहा...अपराध की जांच करें,प्राइवेट रिकवरी एजेंट की तरह नहीं

बिलासपुर,11 जून 2026। हाईकोर्ट के डिवीजन बेंच ने पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर तल्ख टिप्पणी की है। चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा और जस्टिस रवींद्र कुमार अग्रवाल की डिवीजन बेंच ने एक याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा है कि पुलिस निजी वसूली एजेंट के रूप में काम नहीं कर सकती। डिवीजन बेंच ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, 2023 बीनएसएस के नियमों का उल्लंघन कर एक फाइनेंस कंपनी एनबीएफसी के बैंक खाते में राशि 'होल्ड' करने के पुलिस के आदेश को खारिज कर दिया है। नई दिल्ली की 'ऑक्सीजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड एनबीएफसी कंपनी से जुड़ा है। कंपनी उद्योगों और छोटे व्यवसायियों को लोन देने का काम करती है। कंपनी का एक खाता कोटक महिंद्रा बैंक रायपुर ब्रांच में संचालित है, जिसमें देशभर के कर्जदारों की ईएमआई के तौर पर प्रतिदिन 12 से 15 करोड़ रुपए आते हैं।

धोखाधड़ी का केस दर्ज

कंपनी ने रायपुर की एक फर्म 'श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट लिमिटेड' को कच्चा माल खरीदने के लिए करीब 10 करोड़ रुपए की लोन सुविधा दी थी। बाद में श्रीजीकृपा प्रोजेक्ट्स का माल सप्लाई करने वाली एक अन्य कंपनी ओएफबी टेक से वजन में धोखाधड़ी को लेकर विवाद हो गया। जिसके बाद

मंदिर हसौद थाना में करीब 6.9 लाख रुपए जो बाद में 43.38 लाख रुपये आंकी गई की धोखाधड़ी का केस दर्ज किया गया।

कंपनी न तो आरोपी और ना संबंध

मामले की जांच करते हुए मंदिर हसौद पुलिस ने बिना किसी ठोस कानूनी आधार के आक्सीजो फाइनेंस कंपनी के खाते से लेनदेन पर पूरी तरह रोक लगा दी। बाद में कंपनी के 53 करोड़ 47 लाख 17 हजार 835 रुपए की राशि को 'होल्ड' पर डाल दिया। बाद में जब मामला बढ़ा, तो पुलिस ने इसे घटाकर 43.38 लाख रुपए होल्ड रखने का नया आदेश जारी किया। पुलिस की इस कार्रवाई के खिलाफ आक्सीजो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड ने छत्तीसगढ़ बिलासपुर हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। याचिकाकर्ता कंपनी की ओर से सीनियर एडवोकेट अभिषेक सिन्हा और विवेक चोपड़ा ने पैरवी की। इसमें बताया गया कि,कंपनी न तो इस एफआईआर में आरोपी है और न ही कंपनी का माल की शॉर्ट-सप्लाई या धोखाधड़ी से कोई सीधा संबंध है। पुलिस ने महज एक सिविल,कमर्शियल विवाद में दबाव बनाने के लिए कंपनी का पूरा खाता फ्रीज कर दिया। जिससे उसका रोजमर्रा का बिजनेस ठप हो गया। यह कार्रवाई पूरी तरह से मनमानी,दुर्भावनापूर्ण और व्यापार करने के संवैधानिक अधिकार का हनन है। डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए और बीएनएसएस की धाराओं की स्पष्ट व्याख्या की।

53 करोड़ से अधिक होल्ड कर देना पूरी तरह से असंगत : डिवीजन बेंच ने अपने फैसले में कहा कि पुलिस का काम अपराध की जांच करना है, न कि किसी कमर्शियल विवाद में एक पक्ष को फायदा पहुंचाने के लिए 'प्राइवेट रिकवरी एजेंट' की तरह काम करना। कोर्ट ने कहा है, एफआईआर में शुरुआती नुकसान सिर्फ कुछ लाख रुपए का बताया गया था,उसके एवज में जनता के पैसे का प्रबंधन करने वाली एक विनियमित संस्था के 53 करोड़ से अधिक रुपए होल्ड कर देना पूरी तरह से असंगत,अतार्किक और दंडात्मक है। डिवीजन बेंच ने याचिका को स्वीकार करते हुए पुलिस द्वारा जारी 13 अप्रैल 2026 के उस आदेश को निरस्त कर दिया है।

छत्तीसगढ़ में नहीं खुलेंगे 5 नए सरकारी मेडिकल कॉलेज,दिल्ली से ही सैटेलाइट इमेज देखकर एनएमसी ने लगाया ब्रेक!

रायपुर,11 जून 2026। छत्तीसगढ़ के युवाओं और मेडिकल की पढ़ाई करने का सपना देख रहे छात्रों के लिए एक बेहद बुरी खबर सामने आ रही है। राज्य में इस साल खुलने जा रहे 5 नए सरकारी मेडिकल कॉलेजों पर नेशनल मेडिकल कमीशन ने पूरी तरह से ब्रेक लगा दिया है। एनएमसी से हरी झंडी नहीं मिलने के कारण अब इस सत्र में ये कॉलेज नहीं खुल पाएंगे। इस पूरे मामले में स्वास्थ्य विभाग के बड़े अफसरों की एक ऐसी गंभीर लापरवाही उजागर हुई है, जिसने पूरे प्रदेश को शर्मिंदा कर दिया है।

बिना बिल्डिंग और अस्पताल के ही मांग रहे थे परमिशन : सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने मनेंद्रगढ़,कवर्धा,गीदम(दंतेवाड़ा),जांजगीर और कुनकुरी में नए मेडिकल कॉलेज खोलने का बड़ा फैसला किया था। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को निर्देश भी दिए गए थे कि वे एनएमसी के तय मापदंडों के अनुसार सारी तैयारियां पूरी कर लें। लेकिन अफसरों ने इस काम को कतई गंभीरता से नहीं लिया। हैरत की बात ये है कि खुद स्वास्थ्य मंत्री के गृह जिले मनेंद्रगढ़ में न तो अस्पताल की ढंग की व्यवस्था है और न ही कॉलेज की बिल्डिंग खड़ी हुई है। इसके बावजूद अफसरों ने कागजों पर ही कॉलेज खोलने की फाइल आगे बढ़ा दी।

सैटेलाइट ने खोल दी पोल : बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारी इस मुगालते में थे कि केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार है,तो डबल इंजन के रसूख पर एनएमसी आंख बंद करके परमिशन दे देगा। इसी ओवरकॉन्फिडेंस में बिना कॉलेज और अस्पताल भवन बने ही प्रस्ताव दिल्ली भेज दिया गया।

साय सरकार का बड़ा फैसला...विधायकों को बड़ी राहत अब पूरे छत्तीसगढ़ से ले सकेंगे कर्मचारियों की सेवाएं

रायपुर,11 जून 2026। छत्तीसगढ़ सरकार ने विधायकों को सचिवालयीन कार्यों में सहयोग देने के लिए नियमों में अहम बदलाव किया है। नए निर्देशों के तहत अब विधायक अपने विधानसभा क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेंगे,बल्कि राज्य के किसी भी जिले में पदस्थ कर्मचारियों की सेवाएं अपने कार्यालय कार्यों के लिए ले सकेंगे। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में सभी जिला कलेक्टरों को संशोधित दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। यह संशोधन वर्ष 2019 में जारी उस व्यवस्था में किया गया है, जिसके तहत सांसदों और विधायकों को लिपिकीय सहायता उपलब्ध कराने का प्रावधान था। नई व्यवस्था लागू होने के बाद विधायकों को अपने क्षेत्र से बाहर के जिलों में कार्यरत कर्मचारियों को भी अटैच कराने की सुविधा मिलेगी। इससे प्रशासनिक और जनसंपर्क संबंधी कार्यों के संचालन में उन्हें अधिक सहूलियत मिलने की उम्मीद है। हालांकि सरकार ने स्पष्ट किया है कि राज्य स्तरीय कार्यालयों में पदस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों को किसी विधायक के साथ संबद्ध नहीं किया जा सकेगा। यह प्रतिबंध केवल विधायकों पर लागू होगा, जबकि सांसदों के लिए पूर्व व्यवस्था यथावत रहेगी।

करंट से 18 मवेशियों की मौत,खेत में गिरा था बिजली खंभा

राजनांदगांव,11 जून 2026। शहर के ग्रामीण वार्ड सिंगदई में गुरुवार सुबह एक किसान के खेत में बिखरी हालत में मवेशियों का शव मिला। खेत में बिजली के टूटे तार में दौड़ती करंट से मवेशियों की मौत होने की पुष्टि हुई है। बुधवार दोपहर बाद अचानक मौसम में आए बदलाव से तेज गति से हवाएं चली।

माना जा रहा है कि आंधी-तूफान की वजह से बिजली के खंभों की तार टूटकर खेत में गिर गई। इस दौरान खेत में घास चर रहे मवेशियों की करंट के चपेटे में आने से मौत हो गई।

थाने के सामने टायर दुकान में आग लगने से मची अफरा-तफरी,दमकल की टीम मौके पर

रायपुर,11 जून 2026। राजधानी रायपुर के सबसे व्यस्त ऑटोमोबाइल बाजार क्षेत्र में गुरुवार को अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। मौदहापारा थाना के सामने स्थित केके रोड पर जया ऑटोमोबाइल नामक टायर दुकान में आग लग गई,जिससे आसपास के व्यापारियों और लोगों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। जानकारी के अनुसार,एमजी रोड स्थित सिंधी मार्केट के पास मौजूद टायर दुकान से अचानक धुआं और आग की लपटें उठने लगीं। देखते ही देखते आग ने दुकान के भीतर रखे सामान को अपनी चपेट

में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही मौदहापारा थाना पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षित कराया। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया। चूंकि दुकान में बड़ी संख्या में टायर और ज्वलनशील सामग्री रखी हुई थी,इसलिए आग तेजी से फैलने की आशंका बनी रही। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है।

प्रारंभिक तौर पर शॉर्ट सर्किट सहित अन्य संभावित कारणों की जांच की जा रही है। राहत की बात यह रही कि घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। पुलिस और दमकल विभाग की टीम आग से हुए नुकसान का आकलन करने के साथ ही आग लगने के वास्तविक कारणों की जांच में जुटी हुई है।

पट्टा दिलाने के बदले पटवारी ने ली बकरे और बैल की रिश्वत,अब मोबाइल बंद कर हुआ फरार

बस्तर,11 जून 2026। छत्तीसगढ़ के बस्तर से भ्रष्टाचार का एक ऐसा अजीबो-गरीब मामला सामने आया है,जिसे सुनकर आप भी माथा पीट लेंगे। यहां के बकावंड तहसील में पदस्थ एक पटवारी पर आरोप लगा है कि उसने गरीब ग्रामीणों को जमीन का पट्टा दिलाने का झांसा दिया। इसके बदले उसने जो रिश्वत ली,उसकी अब पूरे इलाके में थू-थू हो रही है। पटवारी ने ग्रामीणों से सिर्फ कड़कड़ाते नोट ही नहीं ऐंठे,बल्कि रिश्वत में जिंदा बकरा और बैलों की जोड़ी तक हांक ले गए। अब काम न होने पर परेशान ग्रामीण दफ्तरों के चक्कर

काट रहे हैं। यह पूरा मामला कोलावल हल्का क्षेत्र का बताया जा रहा है। यहां के सीधे-साधे ग्रामीणों को लंबे समय से अपनी जमीन के पट्टे का इंतजार था। पटवारी ने इसी मजबूरी का फायदा उठाया। उसने ग्रामीणों को भरोसा दिया कि वह सबका पट्टा बनवा देगा,लेकिन इसके लिए सेवा करनी पड़ेगी। ग्रामीणों ने भी जमीन के कागज मिलने की आस में अपनी जमापूंजी पटवारी के हवाले कर दी। जिनके पास पैसे नहीं थे, उन्होंने कर्ज लिया या अपने मवेशी बेच दिए।

किसी से 40 हजार और बकरा, किसी ने बेच दिए बैल : ग्राउंड जीरो से आ रही जानकारी के मुताबिक, पटवारी की डिमांड लिस्ट देखकर हर कोई हैरान है। ग्रामीण मंगतू का आरोप है कि उससे पट्टे के नाम पर 40 हजार रुपये नगद लिए गए और साथ में एक जिंदा बकरा भी रिश्वत में लिया गया। वहीं एक ग्रामीण के पास नगद पैसे नहीं थे,तो उसने पट्टे की उम्मीद में अपने बैलों की जोड़ी ही बेच दी। बैल बेचकर जो पैसे मिले,उसमें से 30 हजार रुपये पटवारी की जेब में डाल दिए। लालाराम नाम के ग्रामीण से एडवांस के तौर पर 10 हजार रुपये लिए गए,जबकि रुपसाय से किस्तों में कुल 55 हजार रुपये वसूल लिए गए।

पैसे और बकरा लेकर पटवारी हुआ रफूचक्कर : ग्रामीणों का कहना है कि जब पटवारी का पेट नगदी,बकरे और मवेशियों के पैसों से भर गया,तो उसने अपना रंग दिखाना शुरू कर दिया। काफी दिन बीत जाने के बाद भी जब पट्टा नहीं मिला,तो ग्रामीणों ने पटवारी को खोजना शुरू किया। अब आलम यह है कि पटवारी ने अपना मोबाइल फोन पूरी तरह बंद कर लिया है और वह इलाके से गायब है। तब जाकर ग्रामीणों को अहसास हुआ कि उनके साथ बहुत बड़ी ठगी हो चुकी है। ठगे जाने के बाद अब बकावंड और कोलावल क्षेत्र के परेशान ग्रामीण इकट्ठा होकर प्रशासनिक अधिकारियों के पास न्याय की गुहार लगाने पहुंचे हैं।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No.CHHHIN/2004/15050,डॉक रजिस्टर्ड क्र.:-13/सरगुजा/डीएन/2026-2028-मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)